RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 123 , मंगलवार, 16 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

आदिवासी लोहार संघ ने 150 छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित 03

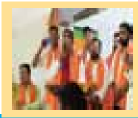
विकसित भारत के संकल्प को लेकर ठाकुरगंज में सम्मेलन, जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर 04

टीवी के बाद टाइपकास्टिंग से बाहर निकलने और खुद को एक ... 07

संक्षिप्त समाचार

अब हर बच्चे को स्कूल भेजेगी योगी सरकार

एक जुलाई से अभियान का दूसरा चरण शुरू,निर्देश जारी

लखनऊ (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश में एक जुलाई से स्कूल चलो अभियान का दूसरा चरण शुरू होगा। इसके तहत स्कूल जाने की आयु के प्रत्येक बच्चे का नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही कक्षा पांच से छह, कक्षा आठ से नौ और कक्षा 10 से 11 में सभी विद्यार्थियों के प्रवेश की जिम्मेदारी संबंधित

प्रधानाध्यापकों को सौंपी गई है। अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने इस संबंध में सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों और मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशकों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने राजकीय शिक्षकों के स्थानांतरण और समायोजन की प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ तय समय में पूरा करने को कहा है। समग्र शिक्षा और पीएम श्री योजना के तहत लंबित भुगतान 30 जून तक निपटाने व कार्यों को जल्द पूरा कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रयोगशालाओं के उपकरणों का सत्यापन किया जा रहा है।

पुलिस ने जहांगीर खान की दोबारा कराई परेड

4 घंटे तक सड़क पर नंगे पैर चलवाया, माफी भी मंगवाई

कोलकाता (एजेंसी) । पश्चिम बंगाल के फालता में पुलिस ने टीएमसी नेता जहांगीर खान की फिर हाफ पैंट में सड़क पर परेड कराई। इस दौरान जहांगीर ने कान पकड़कर और हाथ जोड़कर लोगों से माफी मांगते दिखे। पुलिस ने चार घंटे नंगे पैर सड़क पर घुमाया। इससे पहले 11 जून को भी फालता में ही जहांगीर की हाफ पैंट में परेड कराई गई थी। जांच

के सिलसिले में पुलिस उन्हें फलता लेकर आई है। 8 जून को अवैध वसूली के आरोप में उन्हें नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था। **फालता में दबदबा था, 'पुष्पा' स्टाइल छवि बनाई थी–** जहांगीर का फालता में दबदबा था। जहांगीर खान ने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को फिल्म 'पुष्पा' के किरदार की तरह पेश किया था। उन्होंने कई बार फिल्म का चर्चित डायलॉग 'पुष्पा झुकेगा नहीं साला' भी बोला था। उन्होंने खुद को इलाके के ऐसे मजबूत नेता के रूप में पेश किया, जो किसी दबाव के सामने नहीं झुकेगा।

फैजल खान ने कराई है मेरे भाई की हत्या

पटना में जेल से बाहर आए रौशन आनंद का बड़ा आरोप

पटना (एजेंसी) । राजधानी के मुसल्लहपुर हाट स्थित फैजल खान उर्फ खान सर की कोचिंग खान ग्लोबल स्टडीज पर बवाल मामले में जेल में बंद ज्ञान बिंदु कोचिंग के संचालक रौशन आनंद सोमवार को जेल से बाहर आए। 2 जून की रात हुए विवाद के अगले दिन उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। जमानत मिलने पर वे दोपहर में बेउर से बाहर निकले। बाहर आने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने खान सर पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने

कहा कि फैजल खान और किसान कोल्ड स्टोरेज के मालिक आरएस प्रसाद ने मिलकर मेरे भाई की हत्या कराई है। उन्होंने कहा कि वे बाहर थे तो भाई की हत्या क्यों नहीं हुई। जेल जाते ही साजिश के तहत उसकी जान ली गई है। उन्होंने कहा कि फैजल खान बहुत झूठ बोलता है। नार्को टेस्ट होना चाहिए। पहले कह रहा था कि गोली हमने चलवाई। वीडियो सामने आने पर पता चला कि गोली उसने चलवाई। मामले में सरकार और न्यायालय पर पूरा भरोसा है। हमारे साथ न्याय होगा। इस क्रम में उन्होंने पटना पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उन्हें केवल छह घंटे में गिरफ्तार कर लिया गया।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर फिर से बढ़ गया तनाव

9 बांग्लादेशी नागरिकों को बीजीबी ने वापस लेने से किया इनकार

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मनकाचर सेक्टर में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। नो-मैन्स लैंड (दोनों देशों के अधिकार क्षेत्र से बाहर की भूमि) में 9 बांग्लादेशी नागरिक फंसे हुए हैं। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश इन नागरिकों को वापस लेने से इनकार कर रहा है। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स और बीजीबी के बीच कई दौर की फ्लैग मीटिंग भी हुई। सूत्रों के अनुसार बैठक बेनतीजा रही। बीएसएफ सूत्रों ने बताया कि आज फिर से दोनों पक्षों के बीच नई बैठक होगी, जिसमें इस गतिरोध को खत्म करने की कोशिश की जाएगी। रविवार को मनकाचर इलाके में जब 9 व्यक्ति नो-मैन्स लैंड में फंसे पाए गए, तो तनाव बढ़ गया।

एक वायरल वीडियो में उनमें से एक व्यक्ति साफ तौर पर कहता सुनाई दे रहा है, हम बांग्लादेशी नागरिक हैं। काम के सिलसिले में भारत आए थे। हमारे पास दस्तावेज हैं। भले ही हमें मार दिया जाए और नदी में फेंक दिया जाए, हम भारत नहीं जाएंगे। अन्य वीडियो में इन लोगों को रोते हुए भी देखा गया है। बीएसएफ ने हाल के दिनों में सीमा पार करने की कोशिश कर रहे कई बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा है। पिछले हफ्ते असम पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त कार्रवाई में 21 घुसपैठियों को रोका गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस कार्रवाई की सराहना की।

यूएनएससी में भारत का साथ देगा स्लोवाकिया

स्थायी सदस्यता का किया समर्थन, मोदी ने दिया धन्यवाद

ब्रातिस्लावा (एजेंसी)। यूरोपीय देश स्लोवाकिया ने भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का समर्थन कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीन देशों के यूरोपीय दौरे के दूसरे चरण में स्लोवाकिया में मौजूद हैं जहां उन्होंने देश के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ प्रेस को संबोधित किया है। पीएम मोदी ने इस दौरान स्लोवाकिया के साथ पार्टनरशिप का ऐलान किया है।

पीएम मोदी का ये दौरा एक ऐतिहासिक पल है क्योंकि 1993 में स्लोवाकिया की आजादी के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा है। ब्रातिस्लावा में अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ उच्च-स्तरीय बातचीत की है। वे व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग

और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के क्षेत्रों में नए मौकों पर चर्चा करने के लिए प्रमुख बिज़नेस लीडर्स से भी मिलेंगे। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों का समर्थन करते हुए जोरदार बयान दिया है।

भारत स्लोवाकिया संबंध को एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगे– वहीं पीएम मोदी ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा स्लोवाकिया के पीएम एक अनुभवी नेता होने के साथ साथ भारत के सच्चे मित्र हैं। उन्होंने कहा भारत स्लोवाकिया संबंध को एक नई ऊंचाई पर ले जाने में प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की सच्ची मित्रता और प्रतिबद्धता का विशेष योगदान रहा है। पीएम मोदी ने इसके बाद घोषणा करते हुए कहा इस खास मौके पर हमने भारत-स्लोवाकिया संबंध को कॉम्प्रिहेंसिव पार्टनरशिप का दर्जा देने का फैसला किया है। ये हमारा विश्वास है।

चरम पर महंगाई, 43 महीने में सबसे ज्यादा

● मई में 9.68 फीसदी पहुंची,फ्यूल महंगा हुआ ● अनाज और तेल की कीमतें भी जबरदस्त बढ़ीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई में थोक महंगाई बढ़कर 9.68 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पहले अप्रैल में यह 8.26 फीसदी पर थी। मई में महंगाई 43 महीने में सबसे ज्यादा है। सितंबर 2022 में ये 10.70 फीसदी पर पहुंच गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 15 जून को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। महंगाई बढ़ने की वजह रोजमर्रा की जरूरत के सामान और फ्यूल के दाम बढ़ना है। इसके अलावा अनाज और तेल भी महंगा हुआ है। दरअसल, अमेरिका और ईरान के बीच साढ़े तीन महीने से तनाव है। स्थितियां सामान्य नहीं हुईं तो महंगाई और बढ़ सकती है।

● **होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर–** थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए जीडीपी को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। जीडीपी में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है।

रोजाना जरूरत के सामान फ्यूल और पावर के दाम बढ़े

रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 3.78 से बढ़कर 4.99 फीसदी हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई 3.11 से बढ़कर 4.49 फीसदी पर पहुंच गई है। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 24.89 से बढ़कर 30.33 फीसदी हो गई है। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 6.68 से बढ़कर 7.48 फीसदी रही। प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62 फीसदीहै। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15 फीसदी और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23 फीसदी है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं। मई में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.93 फीसदी पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 3.48 फीसदी थी। पिछले 5 महीनों में यह पहली बार है जब खुदरा महंगाई 4 फीसदी के करीब है।

आ गया अल नीनो | बारिश पर लगेगा 'ग्रहण'

● सूखे जैसे हालात,देश की जीडीपी ग्रोथ पर भी पड़ेगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशांत महासागर में अल-नीनो के हालात पैदा होने से भारत

की चिंताएं बढ़ चुकी हैं। देशभर में मॉनसून की रफ्तार पर इसका गहरा असर पड़ सकता है। यही नहीं अल नीनो का प्रकोप मॉनसून के बाद भी जारी रहने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के डायरेक्टर जनरल डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने हाल ही में एक बयान में बताया है कि सितंबर के अंत तक अल-नीनो की स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। हालांकि उन्होंने लोगों से यह अपील भी की है कि हालात से लड़ने के लिए पूरी तैयारी की जा रही है और डरने की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार ने भी ऐसी ही अपील की है। गौरतलब है कि अल नीनो अल नीनो प्रशांत महासागर में होने वाली एक प्राकृतिक घटना है। इस दौरान प्रशांत महासागर की सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म होने लगता है। इसकी वजह से मॉनसून प्रभावित होता है और भारत में कम बारिश होने की वजह से सूखे जैसे हालात बन सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक संकट बढ़ेगा।

सितंबर के अंत में दिखेगा विकराल रूप

आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने मनीकंट्रोल को दिए इंटरव्यू में बताया कि आने वाले दिनों में अल नीनो का कैसा असर दिखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि जुलाई, अगस्त और सितंबर की शुरुआत में अल-नीनो का कम असर दिखेगा। इसके बाद सितंबर के अंत तक इसके ज्यादा मजबूत होने की आशंका है। उन्होंने आगे बताया कि इस दौरान देश के उत्तर-पश्चिमी, मध्य और पश्चिमी इलाकों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। वहीं गुजरात, राजस्थान से लेकर ओडिशा, उत्तरी आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के इलाके प्रभावित होंगे।

बेकार समझा जाने वाला कैक्टस अब बना किसानों का 'ब्लू गोल्ड'

दूर देश मेक्सिको में 1.4 लाख करोड़ रुपए की टकीला इंडस्ट्री

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत में एक कांटेदार रेगिस्तानी पौधे ने नई ड्रिंक्स इंडस्ट्री को जन्म दे दिया है। आंध्र प्रदेश के कांदुकुर में ज्यादातर किसान पहले टमाटर, मूंगफली और मक्का उगाते थे। 2010 में कुछ व्यापारी एगेव अमेरिकाना नाम के कैक्टस की तलाश में कांदुकुर पहुंचे। इसे किसान बेकार समझकर खेत की बाड़ के रूप में लगाते थे। बीबीसी वर्ल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, यही एगेव कैक्टस मेक्सिको की 1.4 लाख करोड़ रुपए की टकीला और मेजकल इंडस्ट्री की रीढ़ है। मेक्सिको के जलिस्को राज्य में सिर्फ चुनी हुई जगहों पर उगने वाला 'ब्लू एगेव' टकीला बनाने के लिए मान्य है। भारत में अभी इसकी कमर्शियल खेती नहीं होती। किसान और उद्यमी जंगली एगेव इकट्ठा करते हैं।

कांदुकुर में अब 100 किमी के दायरे में कई गांवों के किसान डिस्टिलरीज को बड़े पैमाने पर सप्लाई कर रहे हैं। इसके लिए उन्हें अच्छी कीमत मिलती है। इसीलिए इसे 'ब्लू गोल्ड' कहा जाने लगा है। एगेव की खेती मुश्किल है। पौधे का सबसे अहम हिस्सा 'पीना' (अनानास जैसा दिखने वाला कोर) होता है, जिसमें शुगर जमा होती है।

बंगाल में मुख्यालय और त्रिपुरा में नई पार्टी का बेस

● टीएमसी के बागियों का नया ठिकाना बना एनसीपीआई

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा की राजनीति में लंबे समय से लगभग अज्ञात रही नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया अचानक राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में आ गई है। चुनाव आयोग में रजिस्टर्ड इस छोटे राजनीतिक दल का नाम तब सुर्खियों में आया जब तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने इसी पार्टी में विलय का रास्ता चुना। राजनीतिक हलकों में इस घटनाक्रम को पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी का चुनावी इतिहास बेहद सीमित रहा है, लेकिन उसका चुनाव आयोग में पंजीकृत होना ही उसकी सबसे बड़ी ताकत साबित हुआ। नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया चुनाव आयोग के साथ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत पंजीकृत है।

● **पश्चिम बंगाल के हावड़ा एनसीपीआई का मुख्यालय–** चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार पार्टी का मुख्यालय पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के सांकराइल क्षेत्र में स्थित है। हालांकि इसके संगठनात्मक और चुनावी गतिविधियों का केंद्र मुख्य रूप से त्रिपुरा रहा है। पार्टी ने समय-समय पर त्रिपुरा विधानसभा चुनावों में उम्मीदवार उतारे हैं। वर्ष 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में भी एनसीपीआई ने 2 उम्मीदवार मैदान में उतारे थे। हालांकि पार्टी को कोई सीट नहीं मिली और उसके उम्मीदवारों का प्रदर्शन सीमित रहा। इसके अलावा असम के कुछ क्षेत्रों में भी पार्टी ने बंगाली भाषी समुदायों के मुद्दों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का प्रयास किया है। एनसीपीआई की एक और खास बात यह है कि उसके पास कोई स्थायी चिह्न नहीं है। भाजपा के कमल और कांग्रेस के हाथ जैसे चिन्ह मान्यता प्राप्त दलों को मिलते हैं।

टीएमसी के बागियों को होगा फायदा

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार पार्टी का वास्तविक महत्व उसके चुनावी प्रदर्शन में नहीं, बल्कि उसके कानूनी अस्तित्व में छिपा है। वर्षों तक बेहद सीमित गतिविधियों वाली यह पार्टी अचानक राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में तब आई जब पश्चिम बंगाल में टीएमसी के बागी सांसदों ने इसे अपने नए राजनीतिक मंच के रूप में चुना। इससे पार्टी का स्वरूप और नेतृत्व भी बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। माना जा रहा है कि इस घटनाक्रम के बाद पार्टी में शामिल वरिष्ठ नेताओं की भूमिका पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली होगी। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार किसी राजनीतिक दल को मान्यता प्राप्त करने के लिए वोट जरूरी है।

अमेरिका-ईरान अब जंग खत्म करने पर हो गए राजी

19 जून को हो सकते हैं दस्तखत,होर्मुज फिर खुलेगा

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान जंग खत्म करने के लिए शांति समझौते पर राजी हो गए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान के साथ समझौता हो गया है। ईरान ने कहा कि अमेरिका के साथ कई महीनों की लंबी और मुश्किल बातचीत के बाद दोनों देशों ने शांति समझौते के मसौदे पर सहमति बना ली है और एमओयू को अंतिम रूप दे दिया गया है। ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोला जाएगा। उन्होंने ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी तुरंत हटाने की मंजूरी दे दी। उन्होंने लिखा, 'दुनिया के जहाजो, अपने इंजन चालू कर लो। तेल को बहने दो।' इधर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि दोनों देश 19 जून को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में पीस डील पर दस्तखत करेंगे। अगर ऐसा होता है तो 47 साल में तेहरान और वॉशिंगटन के बीच यह पहली हाई लेवल बैठक होगी।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी की हत्या कर परिवार के साथ पति फरार, आत्मसमर्पण न करने पर घर पर चलेगा बुलडोजर

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के रजासन गांव में 16 अप्रैल 2026 को नवविवाहिता मोना कुमारी की हत्या कर शव गायब कर दिया गया था। इस मामले में पति, सास और ससुर समेत सभी आरोपी घर छोड़कर फरार हैं। पुलिस ने अब इन आरोपियों के खिलाफ इश्तेहार चिपकाए हैं। यह कार्रवाई न्यायालय से आदेश प्राप्त होने के बाद बिदुपुर थाना पुलिस द्वारा की गई है। पुलिस ने ढोल-नगाड़ों के साथ आरोपियों को जल्द से जल्द न्यायालय में आत्मसमर्पण करने या गिरफ्तारी देने की हिदायत दी है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जा सकता है। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि आरोपियों की गिरफ्तारी न होने के कारण उनमें असंतोष बढ़ रहा है। परिजनों के अनुसार, ससुराल वालों ने विवाहिता की हत्या कर शव को रात के अंधेरे में गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया था। इसके साथ ही, डेढ़ साल की बच्ची भी लापता बताई जा रही है। बिदुपुर थाना अध्यक्ष रवि प्रकाश ने बताया कि विवाहिता की हत्या और शव गायब करने के संबंध में थाना में कांड संख्या 186/26 दर्ज किया गया था। पुलिस लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी, लेकिन वे फरार चल रहे थे। न्यायालय से आदेश मिलने के बाद इश्तेहार की कार्रवाई की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि यदि आरोपी न्यायालय में आत्मसमर्पण या गिरफ्तारी नहीं देते हैं, तो उनके घरों की कुर्की-जब्ती की जाएगी।

आम से लदी पिकअप पलटी, फल लूटने का वीडियो वायरल, घायल दंपती तड़पते रहे, कारोबारी की मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के गायघाट थाना क्षेत्र में आम से लदी एक पिकअप दुर्घटना का शिकार हो गई। इसके बाद घायल दंपती की मदद करने के बजाय लोग सड़क पर बिखरे आम बटोरने में जुट गए। हादसे में गंभीर रूप से घायल आम कारोबारी की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रही हैं। सुपौल के निर्मली थाना क्षेत्र निवासी 40 साल के अजय पासवान अपनी पत्नी संतरा देवी के साथ पश्चिम बंगाल से आम लादकर मुजफ्फरपुर आ रहे थे। शनिवार को गायघाट थाना क्षेत्र के हनुमान नगर चौक स्थित एनएच-27 पर उनकी पिकअप अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए और वाहन में फंस गए। घटना का वीडियो आज वायरल हो रहा

है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के बाद पिकअप पर लदे आम सड़क पर बिखर गए। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए, लेकिन घायलों की मदद करने के बजाय आम उठाने और ले जाने में जुट गए। महिला और पुरुष दोनों सड़क पर बिखरे आम समेटते नजर आए, जबकि घायल दंपती दर्द से कराहते रहे। घटना की सूचना मिलने के बाद गायघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। अस्पताल में इलाज के दौरान अजय पासवान की मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी संतरा देवी की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका इलाज जारी है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दुर्घटना के बाद लोग आम लूटने में व्यस्त हैं, जबकि घायल सड़क पर पड़े हुए हैं। गायघाट थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि आम से लदी पिकअप के पलटने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान अजय पासवान की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

लॉकअप में युवक की पिटाई का मामला, पानापुर करियात के तत्कालीन थानाध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के पानापुर करियात थाने में युवक की कथित पिटाई और 70 हजार रुपए वसूली के मामले में मानवाधिकार आयोग ने एक्शन लिया है। तत्कालीन थानाध्यक्ष राजबल्लभ प्रसाद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। साथ-ही बिहार के मुख्य सचिव, डीजीपी, डीएम और एसएसपी मुजफ्फरपुर को कारण बताओ नोटिस भी दिया गया है। सरैया थाना क्षेत्र के बहिलवारा रुपनाथ निवासी अमन कुमार को 11 मार्च 2025 को सुबह करीब 3 बजे तत्कालीन पानापुर करियात थानाध्यक्ष राजबल्लभ प्रसाद ने गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लिया था। जानकारी मिलने पर अमन के बहनोई रौशन प्रताप सिंह थाना पहुंचे थे। जहां पुलिस ने अमन कुमार को बंद कर रखा था। आरोप है कि थानाध्यक्ष ने छोड़ने के एवज में एक लाख रुपए की मांग की थी। जब रौशन प्रताप सिंह ने इसका विरोध किया तो आवेश में आकर थानाध्यक्ष ने उन्हें भी हाजत में बंद कर दिया था। मुंह, हाथ और पैर बांधकर उनके साथ काफी बेरहमी से मारपीट की गई थी। सूचना मिलने पर परिवार के सदस्य थाना पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि जब दोनों को छोड़ने का आग्रह किया तो तत्कालीन थानाध्यक्ष राजबल्लभ प्रसाद ने एक लाख रुपए की मांग रखी। 70 हजार रुपए लेने के बाद दोनों को छोड़ा गया। रौशन प्रताप सिंह की बाइक को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया, जिसे लौटाने के एवज में 30 हजार रुपए की मांग अलग से की। मारपीट में गंभीर रूप से घायल रौशन को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कांटी में लाया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए एसकेएमसीएच रेफर कर दिया था। इसके बाद मामला एनएचआरसी और बीएचआरसी के समक्ष पहुंचा। आयोग ने इसे मानवाधिकार का घोर उल्लंघन मानते हुए बिहार के मुख्य सचिव से पूछा है कि पीड़ित को क्यों नहीं एक लाख रूपए का मुआवजा दिया जाए। साथ-ही-साथ थानाध्यक्ष के खिलाफ अब तक प्राथमिकी क्यों नहीं दर्ज की गई, इसपर भी आयोग की ओर से नाराजगी जाहिर की गई। आनन-फानन में पानापुर करियात थाना के थानाध्यक्ष द्वारा रविवार को रौशन की मां वीणा सिंह के नाम एक नोटिस जारी किया गया। 24 घंटे के अंदर थाना पर उपस्थित होकर आवेदन देने को कहा गया। रविवार शाम में ही वीणा सिंह के द्वारा पानापुर करियात थाना में तत्कालीन थानाध्यक्ष राजबल्लभ प्रसाद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने हेतु आवेदन दिया गया। मानवाधिकार मामलों के जानकार अधिवक्ता एस. के. झा ने बताया कि यह मामला सरकार की व्यवस्था का पोल खोल रही है। कारण कि एक प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए पीड़ित परिवार को पटना से लेकर दिल्ली तक दौड़ लगानी पड़ी है। फिलहाल यह मामला एनएचआरसी और बीएचआरसी में चल रहा है। दोनों आयोगों के स्तर से पीड़ित परिवार को न्याय अवश्य मिलेगा, मुझे आयोग पर पूरा भरोसा है।

इटली में भारत का परचम लहराएंगे मुजफ्फरपुर के एहतेशाम

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के एक साधारण परिवार से आने वाले मोहम्मद एहतेशाम रिजवी आने वाले 20 से 27 अगस्त तक इटली में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। जवाहर नवोदय विद्यालय, खड़ौना के 12वीं कक्षा के छात्र एहतेशाम का चयन अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड (आईईएसओ) के लिए भारतीय टीम में हुआ है। पूरे देश से सिर्फ चार छात्रों का चयन किया गया है, जिनमें मुजफ्फरपुर के एहतेशाम रिजवी भी शामिल हैं। एहतेशाम ने बताया कि उन्हें अर्थ साइंस ओलंपियाड के बारे में सबसे पहले स्कूल से जानकारी मिली। जवाहर नवोदय विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होती रहती हैं, जिनमें वह नियमित रूप से हिस्सा लेते थे। इसी दौरान उनके फिजिक्स शिक्षक ने उन्हें अर्थ साइंस ओलंपियाड के बारे में बताया। इसके बाद उन्होंने आवेदन किया और प्रतियोगिता की तैयारी शुरू कर दी। 24 जनवरी 2026 को स्कूल स्तर पर परीक्षा आयोजित हुई थी। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले पांच छात्रों का चयन अगले चरण के लिए किया गया। चयनित छात्रों को आगे की प्रक्रिया के लिए गुजरात के बड़ोदरा में आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण और मूल्यांकन शिविर में भेजा गया। एहतेशाम ने बताया कि बड़ोदरा में करीब 20 दिनों तक चले कैंप में कई तरह की शैक्षणिक और व्यावहारिक गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान प्रतिभागियों को पृथ्वी की संरचना, चट्टानों की परतों, भूगर्भीय संरचनाओं, वायुमंडल और पृथ्वी विज्ञान से जुड़े विभिन्न विषयों की गहन जानकारी दी गई। कैंप में फील्ड वर्क, प्रैक्टिकल टेस्ट, लिखित परीक्षा और वायवा भी लिया गया। सभी प्रतिभागियों को अलग-अलग विषय दिए गए थे। एहतेशाम का विषय "जर्नी टू द सेंटर ऑफ द अर्थ" था, जिस पर उन्हें प्रस्तुति और मूल्यांकन की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। कई स्तरों की परीक्षा, प्रैक्टिकल और मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद देशभर से चार छात्रों का अंतिम चयन किया गया।

पटना कॉलेज से जेपी गोलंबर तक अभ्यर्थियों का मार्च

दरोगा मुख्य परीक्षा में धांधली का आरोप, जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

एजेंसी, पटना

बिहार पुलिस में 1,799 दरोगा पदों के लिए 27 मई को आयोजित मुख्य लिखित परीक्षा में कथित पेपर लीक और धांधली के आरोपों को लेकर अभ्यर्थियों का आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को बड़ी संख्या में छात्र पटना कॉलेज परिसर से प्रदर्शन करते हुए जेपी गोलंबर तक मार्च निकाल रहे हैं।

प्रदर्शनकारी छात्र परीक्षा की निष्पक्ष जांच, कथित गड़बड़ियों की रिपोर्ट सार्वजनिक करने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि परीक्षा से जुड़े कई तथ्यों और शिकायतों को लेकर उन्होंने विभिन्न सरकारी एजेंसियों और अधिकारियों को आवेदन दिया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। छात्रों का आरोप है कि लगातार शिकायतों के बावजूद संबंधित एजेंसियों की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया, जिसके कारण उन्हें सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करना पड़ रहा है।

निष्पक्ष जांच और रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग: अभ्यर्थियों ने मांग की है कि परीक्षा में कथित धांधली और पेपर लीक के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। उनका कहना है कि जब तक मामले की पारदर्शी जांच नहीं होगी, तब तक अभ्यर्थियों के मन में परीक्षा की विश्वसनीयता को लेकर सवाल बने रहेंगे।

गांधी मैदान के आसपास बढ़ाई गई सुरक्षा: शहर में दरोगा अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को लेकर पुलिस अलर्ट है। अभ्यर्थी गांधी मैदान से निकलकर जेपी गोलंबर तक मार्च करेंगे। इसको लेकर गांधी मैदान के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पटना पुलिस के ASP और SDPO रैंक के पुलिस पदाधिकारी जेपी गोलंबर पर मौजूद हैं। अभ्यर्थियों को रोकने के लिए मौके पर वाटर कैनन और एम्बुलेंस आदि बुलाई गई है।

पटना के डेवलपमेंटल प्रोजेक्ट की क्रॉस-इंस्पेक्शन मॉडल से होगी जांच

एजेंसी, पटना

नगर निगम ने 6 विशेष जांच टीम का किया गठन

पटना नगर निगम ने विकास कार्यों की गुणवत्ता जांच करने के लिए क्रॉस-इंस्पेक्शन मॉडल अपनाने का निर्णय लिया है। इस उद्देश्य से निगम द्वारा 3 सदस्यीय कुल 6 विशेष जांच टीमों का गठन किया गया है। इन्हें नगर क्षेत्र के विभिन्न अंचलों में चल रहे 70 प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण कर डिटेल रिपोर्ट प्रस्तुत करने का दायित्व सौंपा गया है। इस व्यवस्था के तहत किसी भी प्रमंडल के इंजीनियर अपने स्वयं के क्षेत्र में चल रहे परियोजनाओं का निरीक्षण नहीं करेंगे, बल्कि अन्य प्रमंडलों में संचालित विकास योजनाओं की गुणवत्ता की जांच करेंगे।

पटना नगर निगम द्वारा नगर क्षेत्र के विभिन्न प्रमंडलों में सामुदायिक भवन निर्माण, सड़क निर्माण, सड़क पुनर्स्थापन, नाला निर्माण सहित विभिन्न आधारभूत संरचना और नागरिक सुविधा संबंधी योजनाओं का काम शुरू किया गया है। इन योजनाओं के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों के अनुपालन और कार्यों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के उद्देश्य से गठित जांच दल निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, नालों में इनलेट एवं आउटलेट की उपलब्धता, स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप कार्य निष्पादन तथा अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच करेंगे।

निरीक्षण के साथ जियो-टैग्ड फोटोग्राफ देना जरूरी: इसके साथ ही प्रत्येक परियोजना की जियो-टैग्ड फोटोग्राफ सहित डिटेल निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है। जांच के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता, त्रुटि, मानक से विचलन अथवा वित्तीय/तकनीकी विसंगति पाए जाने पर संबंधित कार्यान्वयन एजेंसी एवं उत्तरदायी पदाधिकारी/अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी अनुशासनात्मक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पवन सिंह को बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने के संकेत

एजेंसी, पटना

भोजपुरी गायक और भाजपा नेता पवन सिंह को बिहार विधान परिषद (MLC) बनाए जाने के बाद सांसद मनोज तिवारी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, 'MLC कोई छोटा पद नहीं होता, बल्कि यह बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण दायित्व है। MLC बनने के लिए लोग वर्षों तक प्रयास करते हैं। इस पद के माध्यम से जनता की व्यापक सेवा की जा सकती है।'

जल्द कुछ बड़ा दायित्व मिलेगा - मनोज तिवारी: पवन सिंह के मंत्री बनने की संभावनाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर मनोज तिवारी ने कहा कि, 'सभी बातें मुझसे ही न कहलवाई जाए।' उन्होंने संकेत देते हुए कहा कि, 'पवन सिंह को जल्द ही कुछ न कुछ बड़ा दायित्व मिल सकता है।'

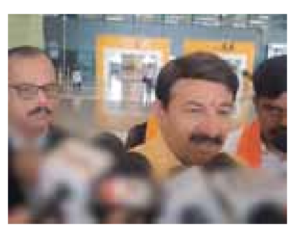

खान सर-रौशन आनंद विवाद पर जताई चिंता: पटना में खान सर और ज्ञान बिंदु कोचिंग के संचालक रौशन आनंद के बीच चल रहे विवाद पर भी सांसद मनोज तिवारी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि, 'इस पूरे घटनाक्रम से उन्हें काफी दुख हुआ है।'

निष्पक्ष जांच की मांग: मनोज तिवारी ने कहा कि, 'बिहार पुलिस को इस मामले की निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए।'

पटना में शराब-गैस की कालाबाजारी का भंडाफोड़, शास्त्रीनगर से पति-पत्नी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के शास्त्रीनगर इलाके में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध गैस सिलेंडर और शराब कारोबार का खुलासा किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सोनू नामक व्यक्ति के मकान में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान 56 डोमेस्टिक और कमर्शियल गैस सिलेंडर और विदेशी शराब बरामद की गई है। इसकी बाजार में अनुमानित कीमत 8 लाख रुपए बताई जा रही है।

अवैध कारोबार में शामिल पति-पत्नी गिरफ्तार: पुलिस जांच में सामने आया कि इस अवैध कारोबार में पति और पत्नी दोनों इस धंधे में संलिप्त थे, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी पहचान सोनू और बबली के रूप में हुई है। मामला शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के रवि चौक नाला इलाके का है।

'युद्ध की खबर के बाद कमाई का लगा मौका': पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि, 'युद्ध संबंधी खबरों के बाद उन्हें लगा कि गैस सिलेंडर की मांग बढ़ेगी और इससे ज्यादा कमाई की जा सकती है। इसके बाद उन्होंने सिलेंडर जमा करना शुरू किया।' पूछताछ में यह भी सामने आया कि जरूरतमंदों को एक सिलेंडर 2500 से 3000 रुपए तक में बेचा जाता था। पुलिस के अनुसार, दोनों पिछले करीब दो वर्षों से अवैध शराब और गैस सिलेंडर के कारोबार में सक्रिय थे।

आपूर्ति विभाग के साथ हुई संयुक्त कार्रवाई: टाउन डीएसपी-1

56 सिलेंडर और विदेशी शराब बरामद

डॉ. अन्नू कुमारी ने बताया कि, 'गुप्त सूचना मिलने के बाद सत्यापन के लिए आपूर्ति निरीक्षक के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची। तलाशी के दौरान भारत गैस और इंडियन गैस के कुल 56 सिलेंडर बरामद किए गए। इसके अलावा बड़ी मात्रा में विदेशी शराब भी जब्त की गई।'

सप्लाई चेन की जांच जारी: पुलिस उनके दूसरी लिंकेज को भी खांगाल रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर इतने बड़े पैमाने पर सिलेंडर इन्हें कौन उपलब्ध करा रहा था। इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

चीन, यूक्रेन, उज़्बेकिस्तान से मेडिकल पढ़कर आए बिहारी स्टूडेंट, एफएमजीई एग्जाम पास होने के बावजूद नहीं मिली इंटर्नशिप

एजेंसी, पटना

फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट्स एग्जामिनेशन (FMGE) पास आउट स्टूडेंट ने आज पटना की सड़कों पर उतर के प्रदर्शन किया। उन्होंने बिहार काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रजिस्ट्रेशन ऑफिस के बाहर जमकर नारेबाजी की। चीन, यूक्रेन, उज़्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, सऊदी अरब से पढ़ाई करके आए बिहारी स्टूडेंट की यह शिकायत है कि उन्हें अभी तक इंटर्नशिप अलॉट नहीं हुई है, जिस कारण से आगे पीजी एग्जाम में उन्हें काफी परेशानी होगी। इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार से भी दो बार मुलाकात की, लेकिन कोई जवाब नहीं आया है।

स्वास्थ्य मंत्री से दो बार की मुलाकात, नहीं मिला कोई जवाब: FMGE पास आउट स्टूडेंट डॉ श्वेता ने कहा कि, '17 जनवरी 2026 में हम सभी ने FMGE का एग्जाम दिया था और 28 जनवरी को रिजल्ट आया था, जिसमें हम सभी अच्छे नंबर के साथ उत्तीर्ण हुए थे। रिजल्ट आने के 6 महीने हो गए हैं, लेकिन अभी तक हमारा इंटर्नशिप या एलोकेशन लिस्ट अलॉट नहीं हुआ है। इसके लिए हम सचिवालय भी गए, लेकिन वहां हर कोई दूसरे आदमी पर मामले को डाल देता है।'

चीन, यूक्रेन, कज़ाख़िस्तान, किर्गिस्तान से मेडिकल पढ़ाई की: FMGE पास आउट स्टूडेंट डॉ मोहम्मद एजाज ने कहा कि, 'हम लोग चीन, यूक्रेन, कज़ाख़िस्तान, किर्गिस्तान, रसिया से एमबीबीएस करके आए हैं। हम लोग ने 2025 का FMGE एग्जाम दिया है, जो भारत सरकार यह चेक करने के लिए लेती है कि जो हम विदेश से एमबीबीएस पढ़ कर आए हैं, तो हम इंडिया में डॉक्टर बनने लायक है या नहीं। हम सभी ने वह एग्जाम दिया और पास भी किया है। यानी भारत में डॉक्टर बनने का भारत सरकार का जो क्राइटेरिया है हम उसे पूरा करते हैं।'

अपनी मांगों के लिए पटना में किया प्रदर्शन

इस एग्जाम में पूरे बिहार से 428 स्टूडेंट हुए पास: FMGE पास आउट स्टूडेंट डॉ रितेश कुमार ने कहा कि, 'इस एग्जाम में पूरे बिहार से 428 स्टूडेंट ने पास किया था। हमारी यही मांग है कि जल्द से जल्द एलोकेशन लिस्ट जारी कर दिया जाए, ताकि हमें जो कॉलेज मिलेगा, वहां 1 साल का इंटर्नशिप करेंगे।'

6 महीने से हमें इंटर्नशिप अलॉट नहीं हुआ- डॉ अली अहमद: FMGE पास आउट स्टूडेंट डॉ अली अहमद ने कहा कि, '6 महीने से हमें इंटर्नशिप अलॉट नहीं हुआ है। जब विदेश से हम लोग मेडिकल शिक्षा प्राप्त करके आते हैं तो भारत में हमें इंटर्नशिप के तहत 1 साल का सेवा देना होता है। बिहार के विभिन्न अस्पतालों में हमें सेवा देना है, लेकिन हमें रोका जा रहा है।'

पटना में असम एसटीएफ की छापेमारी, दो गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के शास्त्री नगर थाने की पुलिस के सहयोग से असम STF ने सोमवार की सुबह छापेमारी कर दो आरोपी को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों का नाम शहबाज हैदर और सानिया सुल्तान है। दोनों को असम STF मेडिकल कराने के बाद ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ असम लेकर जाएगी। फिलहाल, LNJP अस्पताल में दोनों का मेडिकल कराने के बाद पटना सिविल कोर्ट में ट्रांजिट रिमांड की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के बेली रोड समनपुरा में यह कार्रवाई की गई।

17 करोड़ से जुड़ा है मामला: असम STF के इंस्पेक्टर प्रभाकर सिंह ने कहा कि, 'STF की ओर से FIR की गई थी। इनके खिलाफ GST में गड़बड़ी करने का आरोप है। 17 करोड़ रुपए की हेराफेरी सामने आई है। इसकी जांच चल रही है।'

उन्होंने आगे बताया कि, 'इन दोनों की असम में अलकतरा कंपनी है। इसी कंपनी के GST से जुड़ा मामला है। इसके अलावा मैं कुछ ज्यादा नहीं बता सकता हूं।' पत्रकारों से बातचीत करते हुए पटना सचिवालय SDPO 1 डॉक्टर अनु कुमारी ने कहा कि, 'फिलहाल असम पुलिस की ओर से कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई पूरी होने के बाद अंतिम तौर पर ब्रीफ किया जाएगा।' वहीं, गिरफ्तारी की खबर मिलने के बाद दोनों के परिजन भी शास्त्री नगर थाने पर पहुंचे थे। मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई थी। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया है।

बाढ़ में 48 साल बाद ससुराल लौटी पत्नी, पति की आंखों में छलक पड़े आंसू

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बरियारपुर गांव में एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया जिसने पूरे इलाके को भावुक कर दिया। करीब 48 साल पहले ससुराल छोड़कर चली गई महिला अब अपने पति के पास लौट आई। इतने लंबे इंतजार के बाद पत्नी को सामने देखकर पति की आंखें भर आईं और परिवार में खुशी का माहौल बन गया।

ललन मिश्रा ने बताया कि, उनकी शादी मार्च 1977 में निर्मला देवी से हुई थी। शादी के करीब छह महीने बाद निर्मला देवी ससुराल छोड़कर अपने मायके दरभंगा चली गई थीं और उसके बाद कभी वापस नहीं लौटीं। ललन मिश्रा ने अपनी पत्नी को आसपास के गांवों में ढूंढा और इस दौरान उन्होंने अपनी नौकरी भी छोड़ दी थी। निर्मला देवी ने बताया कि, 'ससुराल के कुछ लोगों ने उन्हें भड़काकर घर छोड़ने पर मजबूर किया था। घर छोड़ने के बाद वह अपने मायके में रहीं। बाद में उनके पिता ने उनकी नौकरी नागपुर के एक सरकारी स्कूल में लगवा दी। तब से वह अपने दो बच्चों के साथ नागपुर में रह रही हैं। उनका एक बेटा पुणे में इंजीनियर है, जबकि दूसरा अभी पढ़ाई कर रहा है। निर्मला देवी बरियारपुर आने से पहले बख्तियारपुर थाना पहुंचीं और अपने पति के बारे में जानकारी ली। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में वह ससुराल पहुंचीं। घर पहुंचने पर शुरुआत में परिवार के लोग असमंजस में थे। इसी दौरान निर्मला देवी ने अपने हाथ पर बना पुराना गोदना (टैटू) दिखाया, जिसे देखकर ललन मिश्रा ने उन्हें पहचान लिया। इसके बाद घर का माहौल भावुक हो गया और परिवार के सदस्य उनसे मिलकर भावुक हो उठे।

प्रशांत किशोर बोले- 10 हजार रुपए में खरीदे गए वोट

एजेंसी, पटना

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बांकीपुर में जन सभा के दौरान बिहार सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने बिहार में पदयात्रा शुरू की थी, तब अधिकांश लोगों को उनके प्रयास पर भरोसा नहीं था।लोग उन्हें सलाह देते थे कि वे बेकार में समय बर्बाद कर रहे हैं क्योंकि बिहार में कुछ नहीं बदल सकता। यहां तक कि उनके परिवार और करीबी लोगों ने भी सवाल उठाया कि जब जीवन अच्छी तरह चल रहा है तो बिहार की राजनीति में संघर्ष करने की क्या जरूरत है। प्रशांत किशोर ने कहा कि इसके बावजूद उन्होंने और उनके साथियों ने लगातार दो से ढाई वर्षों तक मेहनत की और गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद स्थापित किया।

जन सुराज बनने के बाद बदलाव की उम्मीद दिखाई देने लगी: प्रशांत किशोर ने कहा कि लंबे प्रयासों के बाद जब जन सुराज एक राजनीतिक दल के रूप में सामने आया और उसकी गतिविधियों की चर्चा सोशल मीडिया तथा आम लोगों के बीच होने लगी, तब पहली बार लोगों को यह महसूस हुआ कि बिहार में राजनीतिक बदलाव संभव है। जन सुराज के बढ़ते जनाधार और लोगों की बढ़ती भागीदारी ने एक नई उम्मीद पैदा की थी कि इस बार राज्य की राजनीति में बड़ा परिवर्तन देखने को मिल सकता है।

बदलाव की हवा देखकर सत्ता में बैठे दल सक्रिय हो गए: प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि जैसे ही यह माहौल बना कि बिहार में बदलाव की संभावना बढ़ रही है, वैसे ही पिछले 30-35 वर्षों से सत्ता में प्रभाव रखने वाले राजनीतिक दल और नेता पूरी ताकत के साथ सक्रिय हो गए। जब उन्हें लगा कि जनता का रुझान बदल सकता है और जन सुराज को समर्थन मिल सकता है, तब चुनावी मुकाबले को प्रभावित करने के लिए विभिन्न तरह के प्रयास किए गए।

एक विधानसभा में 770 करोड़ बांट चुनाव को किया प्रभावित, हमारी पार्टी का था डर

'10 हजार रुपये देकर वोट खरीदे गए': प्रशांत किशोर ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए पैसे बांटे गए। उनका दावा था कि कई जगहों पर लोगों को 10-10 हजार रुपये तक दिए गए और वोट खरीदने की कोशिश की गई। बिहार जैसे गरीब राज्य में यह कोई छोटी बात नहीं है। उनके अनुसार, एक विधानसभा क्षेत्र में सैकड़ों करोड़ रुपये तक खर्च किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के टैक्स और सरकारी संसाधनों से जुड़े धन का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए किया गया।

लोगों ने सोचा कि पैसा देने वालों को ही वोट दे दें: प्रशांत किशोर ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर तबके के कई लोगों ने यह सोचकर उन्हीं दलों का समर्थन किया जिन्होंने उन्हें चुनाव के दौरान आर्थिक लाभ पहुंचाया। गरीबी और आर्थिक जरूरतों के कारण कई मतदाता तत्काल लाभ के प्रभाव में आ गए और बदलाव की राजनीति को समर्थन नहीं दे सके।

आदिवासी लोहार संघ ने 150 छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

बीएनएम@ मोतिहारी।

आदिवासी लोहार संघ के तत्वावधान में रविवार को रघुनाथपुर में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लोहार समाज के करीब 150 छात्र-छात्राओं को मोमेंटो एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। समारोह का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना तथा समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। समारोह का उद्घाटन जदयू के प्रदेश सचिव सह बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य राजकिशोर ठाकुर, मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रधान सहायक राधाकांत ठाकुर, विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षक ब्रजबिहारी शर्मा, दीपक शर्मा तथा अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह की अध्यक्षता संघ के जिलाध्यक्ष अधिवक्ता शिवशंकर ठाकुर ने की, जबकि संचालन डॉ चंदेश्वर ठाकुर ने किया। उद्घाटन सत्र के बाद वक्ताओं ने शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और युवा पीढ़ी की भूमिका पर अपने विचार रखे। राजकिशोर ठाकुर ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी समाज की प्रगति का आधार शिक्षा है। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम करने तथा उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज और देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। कहा कि सम्मानित होने वाले छात्र-छात्राएं अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेंगे। मुख्य अतिथि राधाकांत ठाकुर ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की अपील की। विशिष्ट अतिथि ब्रजबिहारी शर्मा ने भी विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष शिवशंकर ठाकुर, रामसकल ठाकुर सहित अन्य वक्ताओं ने भी समाज में शैक्षणिक वातावरण को मजबूत करने पर बल दिया। समारोह के अंत में सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह में रामतपस्या शर्मा, सकलदेव शर्मा, कैलाश ठाकुर,अशर्फी ठाकुर, सीताराम ठाकुर, पारस ठाकुर समेत बड़ी संख्या में अभिभावक, छात्र-छात्राएं एवं लोहार समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कोबेया में जय एचपी फ्यूल स्टेशन का उद्घाटन, किसानों को मिली बड़ी राहत

बीएनएम@ हरसिद्धि।

प्रखंड क्षेत्र के कोबेया गांव में सोमवार को जय एचपी फ्यूल स्टेशन का उद्घाटन मोतिहारी सांसद राधा मोहन सिंह एवं भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य राजेंद्र प्रसाद गुप्ता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। पेट्रोल पंप के संचालन शुरू होने से आसपास के गांवों के किसानों, वाहन चालकों और यात्रियों को ईंधन के लिए लंबी दूरी तय करने की समस्या से राहत मिलेगी। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद राधा मोहन सिंह ने कहा कि हरसिद्धि-छपवा मार्ग के बीच कोबेया में लंबे समय से पेट्रोल पंप का अभाव था, जिससे क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानी होती थी। उन्होंने कहा कि जय एचपी फ्यूल स्टेशन खुलने से ग्रामीणों को डीजल और पेट्रोल की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी। इससे विशेष रूप से किसानों को लाभ मिलेगा, क्योंकि खेती में आधुनिक मशीनों के बढ़ते उपयोग के कारण ईंधन की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है और जिन इलाकों में पेट्रोल पंप जैसी आवश्यक सुविधाओं का अभाव है, वहां प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्था की जा रही है। फ्यूल स्टेशन के संचालक जयप्रकाश पटेल ने कहा कि ग्राहकों को बेहतर सेवाएं और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। वहीं जदयू नेता मदन पटेल ने इसे क्षेत्र के विकास और समाज सेवा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। सामाजिक कार्यकर्ता कपिल पटेल ने बताया कि फ्यूल स्टेशन परिसर में यात्रियों की सुविधा के लिए ठंडे पेयजल की व्यवस्था की गई है तथा आगे भी आवश्यक सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। मौके पर राजद के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नागेंद्र राम, कुंदन पासवान, भाजपा मंडल अध्यक्ष निकेश सिंह चौहान,प्रदेश नेता दीपक शर्मा, मारकंडेय कुशवाहा, विजय कुमार कुशवाहा, सुरेंद्र यादव समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता, और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

घोड़ासहन स्टेशन पर एक्सप्रेस व सुपरफास्ट ट्रेनों के ठहराव की मांग तेज, सांसद उपेन्द्र कुशवाहा को सौंपा गया ज्ञापन

बीएनएम@ मोतिहारी/घोड़ासहन।

समस्तीपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले महत्वपूर्ण घोड़ासहन रेलवे स्टेशन पर लंबी दूरी की एक्सप्रेस एवं सुपरफास्ट ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर आवाज तेज हो गई है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के प्रदेश महासचिव एवं प्रवक्ता राम पुकार सिन्हा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद उपेन्द्र कुशवाहा को ज्ञापन सौंपकर रेल मंत्री से इस संबंध में पहल करने का अनुरोध किया है। ज्ञापन में कहा गया है कि घोड़ासहन रेलवे स्टेशन सीतामढ़ी-रक्सौल रेलखंड का एक प्रमुख एवं मॉडल स्टेशन है, जो पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल के अधिक राजस्व देने वाले स्टेशनों में शामिल है। स्टेशन से प्रतिवर्ष 1 करोड़ 62 लाख रुपये से अधिक का यात्री राजस्व प्राप्त होता है, बावजूद इसके यहां कई महत्वपूर्ण एक्सप्रेस एवं सुपरफास्ट ट्रेनों का ठहराव नहीं है। राम पुकार सिन्हा ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों तथा सिकरहना अनुमंडल के लगभग 8 से 10 प्रखंडों के हजारों यात्री प्रतिदिन घोड़ासहन स्टेशन का उपयोग करते हैं। ट्रेनों के ठहराव की सुविधा नहीं होने के कारण यात्रियों को दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, कश्मीर, अमृतसर समेत देश के विभिन्न हिस्सों में जाने के लिए दूसरे स्टेशनों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त बर्बादी होती है। ज्ञापन में जनहित को ध्यान में रखते हुए घोड़ासहन स्टेशन पर कम से कम दो मिनट के लिए कई महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की मांग की गई है। इनमें अमृत भारत एक्सप्रेस, मुंबई कर्मभूमि एक्सप्रेस, अन्त्योदय एक्सप्रेस, श्री माता वैष्णो देवी कटरा-कामाख्या एक्सप्रेस, लौकहा-आनंद विहार स्पेशल, तिरुपति-रक्सौल साप्ताहिक ट्रेन, सहरसा-अमृतसर अमृत भारत एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर अमृत भारत एक्सप्रेस तथा मुंबई लोकमान्य तिलक टर्मिनल-अन्त्योदय सुपरफास्ट एक्सप्रेस शामिल हैं। रालोमो नेता ने उम्मीद जताई कि सांसद उपेन्द्र कुशवाहा रेल मंत्रालय की स्थायी समिति के सदस्य होने के नाते इस मांग को प्रभावी ढंग से रेल मंत्री के समक्ष उठाएंगे। यदि इन ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित होता है तो घोड़ासहन सहित आसपास के क्षेत्रों के हजारों यात्रियों, व्यापारियों और आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

महारानी जानकी कुँअर की पुनर्प्रतिष्ठा के लिए होगा सत्याग्रह, मेडिकल कॉलेज का नाम पुनः बहाल करने की उठी मांग

बीएनएम@ बीएनएम/बेतिया।

बेतिया राज की अंतिम महारानी महारानी जानकी कुँअर की स्मृति और सम्मान को पुनर्स्थापित करने के लिए जिले में बड़े स्तर पर सत्याग्रह चलाने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय महारानी जानकी कुँअर स्मृति बचाओ मंच की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक की अध्यक्षता अनिल कुमार झा ने की।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि महारानी जानकी कुँअर पूरे चंपारण के लोगों के लिए मातृतुल्य थीं। अपने शासनकाल में उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और लोककल्याण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए। राज हाई स्कूल, एमजेके कॉलेज, एमजेके अस्पताल, मीना बाजार, मंदिरों, पोखरों और बाग-बगीचों के निर्माण एवं संरक्षण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रयागराज में रहने के बावजूद वे बेतिया और चंपारण के विकास को लेकर सदैव चिंतित रहती थीं।

मंच के सदस्यों का कहना था कि यदि उन्हें बेतिया राज की उत्तराधिकारी के अधिकारों से वंचित नहीं किया गया होता, तो आज बेतिया की तस्वीर कुछ और होती। इसी भावना के तहत बेतिया मेडिकल कॉलेज का नाम पुनः महारानी जानकी कुँअर के नाम पर करने की मांग को लेकर व्यापक जन आंदोलन और सत्याग्रह चलाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में पारित प्रस्ताव की जानकारी देते हुए मंच के संयोजक डॉ. दिवाकर राय ने कहा कि इस मुद्दे पर समाज के सभी वर्गों से सुझाव लिए गए हैं। अधिकांश लोगों का मानना है कि जीएमसीएच से महारानी जानकी कुँअर का नाम हटाना चंपारणवासियों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज का नाम पुनः बहाल कराने के लिए पूरा जिला सत्याग्रह के लिए तैयार है। साथ ही आवश्यक होने पर कानूनी विशेषज्ञों की सलाह लेकर न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया जाएगा।

डॉ. दिवाकर राय ने जिले के लोगों से इस अभियान और सत्याग्रह में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। बैठक में आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए सोशल मीडिया समूह, कानूनी सलाह समूह और नारी जागरण समूह का गठन भी किया गया।

सोशल मीडिया समूह की जिम्मेदारी सिद्धार्थ तिवारी एवं अम्बुज अनुपम को सौंपी गई। कानूनी सलाह समूह के संयोजक मृत्युंजय दुबे और रवि रंक बनाए गए, जबकि नारी जागरण समूह का दायित्व पूनम कुमारी यादव तथा मंजू सिन्हा को सौंपा गया। बैठक में डॉ. अनिल कुमार मोटानी, डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी, ज्ञानेन्द्र शरण, डॉ. बी. एन. द्विवेदी, सत्येन्द्र शरण, विपिन प्रसाद, मुनीन्द्र झा, संतोष आनंद, शबा खानम और प्रभात कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आज 71 पंचायतों में आयोजित होंगे सहयोग शिविर, केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का मिलेगा लाभ

बीएनएम@ मोतिहारी।

केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से पूर्वी चंपारण जिले के सभी 27 प्रखंड कार्यालयों में 16 जून से 18 जून तक 'प्रखंड सहयोग -सह- जन कल्याण शिविर' का आयोजन किया जाएगा। वहीं आज मंगलवार 16 जून को जिले की 71 पंचायतों में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत पंचायत स्तरीय 'सहयोग शिविर' भी लगाए जाएंगे। सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार सरकार से प्राप्त निर्देश के आलोक में आयोजित इस शिविर के माध्यम से आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय वंदन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन (वृद्धा, विधवा एवं दिव्यांग), पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), लखपति दीदी स्वयं सहायता समूह लिंकेज, पीएम स्वनिधि, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान एवं छात्रवृत्ति योजनाएं तथा मुख्यमंत्री उद्यमी योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया जाएगा। जिलाधिकारी, पूर्वी चंपारण ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिविर के सफल आयोजन हेतु आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने का निर्देश दिया है। साथ ही प्रखंड स्तर पर विभिन्न विभागों के लिए स्टॉल की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा शिविर समाप्ति के बाद ऑनलाइन रिपोर्टिंग करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके लिए गूगल लिंक उपलब्ध करा दिया गया है। शिविर के सफल संचालन और निगरानी के लिए सभी प्रखंडों में वरीय अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। ये अधिकारी अपने-अपने आवंटित प्रखंडों में उपस्थित रहकर शिविर के संचालन एवं पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी निभाएंगे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि 16 जून को पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले सहयोग शिविर पूर्व के निर्देशानुसार संचालित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि 16 जून 2026 को पूर्वी चंपारण जिले के सभी 27 प्रखंडों की कुल 71 पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे।

आमजन की सुविधा के लिए रेड क्रॉस को सौंपा गया डेड बॉडी फ्रीजर, महापौर की पहल की सराहना

बीएनएम@ बीएनएम/बेतिया।

बदलती जीवनशैली और रोजगार के लिए देश-विदेश में रह रहे लोगों की परिस्थितियों को देखते हुए नगर निगम बेतिया की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने अपने निजी कोष से एक डेड बॉडी फ्रीजर (इलेक्ट्रिक कॉफिन बॉक्स) उपलब्ध कराकर उसे आमजन के उपयोग के लिए रेड क्रॉस को सुपुर्द किया। यह कार्यक्रम सोमवार को रेड क्रॉस भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि आज बड़ी संख्या में लोग रोजी-रोटी की तलाश में देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों में रहते हैं। ऐसे में किसी परिजन के निधन की स्थिति में परिवार के सभी सदस्यों का समय पर अंतिम संस्कार में पहुंच पाना संभव नहीं हो पाता। ऐसी परिस्थितियों में शव को सुरक्षित और सम्मानजनक स्थिति में संरक्षित रखने के लिए डेड बॉडी फ्रीजर की आवश्यकता महसूस होती है।

कार्यक्रम में रेड क्रॉस के चेयरमैन डॉ. सुशील प्रसाद चौधरी, वाइस चेयरमैन विश्वनाथ झुनझुनवाला, सचिव डॉ. जगमोहन कुमार तथा संयुक्त सचिव जगदेव प्रसाद ने कहा कि अंतिम संस्कार से पूर्व शव को सम्मानजनक स्थिति में सुरक्षित रखना मानवीय और नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि कोई भी जरूरतमंद परिवार अपने आधार कार्ड की प्रति प्रस्तुत कर रेड क्रॉस भवन से डेड बॉडी फ्रीजर प्राप्त कर सकता है। रेड क्रॉस पदाधिकारियों ने इस जनहितकारी सहयोग के लिए महापौर का आभार व्यक्त किया। साथ ही रेड क्रॉस परिसर की बाउंड्री वॉल के निर्माण और सौंदर्यीकरण की पूर्व से लंबित मांग को भी दोहराया। इस पर महापौर ने आश्वासन दिया कि नगर निगम की अगली बोर्ड बैठक में इस विषय पर विचार कर आवश्यक निर्णय लिया जाएगा।

कार्यक्रम में सैयद शकील अहमद, अनुज कुमार, श्याम राज, अरुण कुमार वर्णवाल, डॉ. मदन बनिक, अर्चना कुशवाहा, अभिमन्यु कुमार, राम कुमार, रामरतन प्रसाद तथा अजय राउत सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस पहल को लेकर जिले के लोगों ने महापौर गरिमा देवी सिकारिया की सराहना करते हुए इसे समाज के जरूरतमंद परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी और संवेदनशील योगदान बताया है।

तिरहुत हाई स्कूल मेहसी के पूर्व प्रधानाध्यापक अजय यादव के निधन से शोक की लहर

बीएनएम@ मोतिहारी।

तिरहुत हाई स्कूल मेहसी के पूर्व प्रधानाध्यापक एवं शिक्षा जगत की सम्मानित हस्ती अजय यादव का शनिवार को निधन हो गया। उनके निधन की खबर से मेहसी क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वे अपने सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और शिक्षा के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते थे। अजय यादव, चिंतावनपुर निवासी अभय यादव के बड़े भाई थे। अपने शिक्षकीय जीवन में उन्होंने अनेक विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन को शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। शोक व्यक्त करते हुए परिवर्तनकारी शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष शाहिद रजा ने कहा कि अजय यादव एक कर्मठ, अनुशासित और छात्रों के प्रिय शिक्षक थे। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। पूर्व अंग्रेजी शिक्षक रामप्रवेश यादव, इम्तियाज आलम, लतीफ उर रहमान, सुदिष्ट नारायण ठाकुर, अरविंद गुप्ता, मुखिया राकेश पाठक,मुखिया मोशताक़ आलम, मनोज मिली, मनोज मेहसवी, संजय कुमार सिंह सहित अनेक शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। शोक संदेश में सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। अजय यादव के निधन से क्षेत्र ने एक अनुभवी शिक्षक, मार्गदर्शक और समाजसेवी व्यक्तित्व को खो दिया है।

एलईडी युक्त किसान जागरूकता वाहन को हरी झंडी, जिले के सभी प्रखंडों के लिए रवाना

बीएनएम@ मोतिहारी।

शारदीय (खरीफ) महाअभियान-2026 के तहत किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से जिले में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 13 जून 2026 तक प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है, जबकि 30 जून 2026 तक पंचायत स्तरीय कृषि जन कल्याण चौपाल-सह-खेत बचाओ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 14 जून 2026 को बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा पटना से एलईडी युक्त किसान जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर सभी जिलों के लिए रवाना किया गया था। सोमवार को समाहरणालय परिसर, मोतिहारी से अपर समाहर्त्ता मुकेश कुमार सिंहा एवं उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने संयुक्त रूप से एलईडी युक्त किसान जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर पूर्वी चम्पारण जिले के सभी प्रखंडों के लिए रवाना किया। यह प्रचार वाहन प्रत्येक प्रखंड में तीन-तीन स्थलों पर पहुंचकर कृषि आधारित लघु फिल्मों के माध्यम से किसानों को विभिन्न योजनाओं तथा उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी देगा। कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक आत्मा मनीष कुमार, वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश सहित अन्य पदाधिकारी एवं कृषि विभाग के कर्मी उपस्थित रहे।

उर्दू-हिंदी के विकास से ही संस्कृति की होगी रक्षा : शमीम आलम, 208 डिग्री कॉलेजों में उर्दू विभाग स्थापित करने की उठी मांग

द्वितीय राजभाषा उर्दू को मिले पूरा सम्मान : इश्तियाक आलम

बीएनएम@ मोतिहारी।

उर्दू हिंदी एकेडमी, नई दिल्ली के चेयरमैन शमीम आलम ने कहा है कि उर्दू और हिंदी के विकास एवं संरक्षण से ही देश की सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रह सकती है। उन्होंने कहा कि दोनों भाषाएं जुड़वा बहनों की तरह हैं और गंगा-जमुनी तहज़ीब की सशक्त प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि उर्दू और हिंदी देश के महान कवियों एवं साहित्यकारों की भाषा रही हैं। यह अमीर खुसरो और कबीर की ज़बान है, सूफियों और संतों की आवाज़ है तथा प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की संस्कृति को आगे बढ़ाने वाली भाषा है। शमीम आलम ने कहा कि किसी भाषा की उपेक्षा करना अपनी सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर करना है। उन्होंने बिहार सरकार से उर्दू भाषा के विकास के लिए ठोस कदम उठाने की अपील करते हुए कहा कि भाषाओं के संरक्षण से समाज में अमन, शांति और सद्भाव को मजबूती मिलती है। सामाजिक कार्यकर्ता कामरेड इश्तियाक आलम ने कहा कि बिहार के 208 नवसृजित डिग्री कॉलेजों में जल्द से जल्द उर्दू विभाग की स्थापना की जानी चाहिए तथा अन्य विषयों के साथ उर्दू की पढ़ाई भी शुरू की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उर्दू और हिंदी एक-दूसरे की पूरक भाषाएं हैं। यदि उर्दू कमजोर होगी तो हिंदी भी प्रभावित होगी। उन्होंने उर्दू को इंकलाब और सामाजिक चेतना की भाषा बताते हुए इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता फ़रोग आलम जामी ने कहा कि बिहार में उर्दू को द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्राप्त है, लेकिन प्रस्तावित डिग्री कॉलेजों में उर्दू के पद सृजित नहीं किए जाने से उर्दू भाषी समाज में निराशा व्याप्त है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि 208 नवसृजित डिग्री कॉलेजों में उर्दू विभाग एवं शिक्षकों के पदों का शीघ्र सृजन किया जाए ताकि उर्दू भाषा के विकास को नई दिशा मिल सके। कार्यक्रम में वक्ताओं ने एक स्वर में उर्दू और हिंदी के संरक्षण को देश की साझा सांस्कृतिक विरासत की मजबूती के लिए आवश्यक बताते हुए सरकार से भाषा विकास के प्रति संवेदनशील पहल करने की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी करने वाले शिक्षक पर प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम@बेतिया। मैनाटांड़ थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय घोड़ापकड़ी हिंदी में कार्यरत शिक्षक मोहम्मद मुस्तफा के खिलाफ फर्जी शिक्षक प्रशिक्षण प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी प्राप्त करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना के सहायक अवर निरीक्षक एवं कनीय जांचकर्ता राकेश कुमार के आवेदन पर की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2008 में प्रखंड नियोजन इकाई द्वारा मोहम्मद मुस्तफा की नियुक्ति उत्क्रमित मध्य विद्यालय घोड़ापकड़ी हिंदी में शिक्षक पद पर की गई थी। नियुक्ति के दौरान शिक्षक द्वारा प्रस्तुत किए गए शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण संबंधी दस्तावेजों की जांच के क्रम में शिक्षक प्रशिक्षण का अंकपत्र एवं प्रमाणपत्र संदिग्ध पाया गया। निगरानी विभाग की जांच में यह सामने आया कि संबंधित शिक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रशिक्षण प्रमाणपत्र जिस महाविद्यालय से निर्गत बताया गया था, वह प्रमाणपत्र वहां से जारी ही नहीं किया गया था। जांच में प्रमाणपत्र को जाली पाए जाने के बाद शिक्षक पर फर्जी दस्तावेज को असली बताकर सरकारी नौकरी हासिल करने का आरोप लगाया गया है। मामले में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की ओर से मैनाटांड़ थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। थानाध्यक्ष बबलू कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा अनुसंधान की जिम्मेदारी दरोगा अनिता कुमारी को सौंपी गई है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विकसित भारत के संकल्प को लेकर ठाकुरगंज में सम्मेलन, जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर

बीएनएम@ किशनगंज। ठाकुरगंज नगर क्षेत्र स्थित हरिगोरी सभागार में विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आयोजित सम्मेलन में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा संगठनात्मक मजबूती पर विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन की अध्यक्षता भाजपा जिला प्रवक्ता कौशल किशोर यादव ने की।उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए केंद्र सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना जरूरी है। इसके लिए कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी देने और उन्हें जागरूक करने की आवश्यकता है। वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों, महिलाओं, युवाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम को पूर्व मंत्री हरि साहनी, बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह लक्खा, भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोहन सिंह, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सोनी देवी तथा नगर अध्यक्ष अतुल सिंह सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने पर बल दिया। सम्मेलन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं ने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण में जनसहभागिता की अहम भूमिका पर बल देते हुए किया गया।

सिसवन के दोहरे हत्याकांड का खुलासा, तीन गिरफ्तार; मास्टरमाइंड फरार

बीएनएम@सीवान।

सिसवन थाना क्षेत्र में एक सप्ताह के भीतर हुई दो सनसनीखेज हत्याओं का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा ने बताया कि दोनों हत्याएं क्षेत्र में भय और अशांति का माहौल पैदा करने तथा मुख्य आरोपी प्रकाश राम का दबदबा कायम करने के उद्देश्य से कराई गई थीं। मामले में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मुख्य साजिशकर्ता प्रकाश राम की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। एसपी ने बताया कि 2 जून और 5 जून 2026 को सिसवन थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग लोगों की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। दोनों मृतक अपने घर के बाहर सो रहे थे। घटनाओं की जांच में यह बात सामने आई कि दोनों घर मोहल्ले के अंतिम छोर पर स्थित थे और मुख्य सड़क से लगभग 100 मीटर दूर सुनसान जगह पर थे। दोनों हत्याओं के तरीके और परिस्थितियों में कई समानताएं पाई गईं, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले को जोड़कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1 के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मृत्युंजय राम, ब्रजेश राम और अभिषेक राम को गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि वे प्रकाश राम के निर्देश पर वारदातों को अंजाम दे रहे थे।एसपी पुरन कुमार झा के अनुसार, पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ है कि मृत्युंजय राम हत्या में मुख्य भूमिका निभाता था। वह धारदार हथियार से पीड़ितों की गर्दन पर वार करता था, जबकि उसके साथी अभिषेक राम और ब्रजेश राम पीड़ितों के हाथ-पैर दबाकर हत्या में सहयोग करते थे। जांच के दौरान यह भी पता चला कि अपराधियों ने 7 जून को एक और हत्या की योजना बनाई थी। हालांकि सिसवन पुलिस और एसआईटी की लगातार निगरानी एवं कार्रवाई के कारण इस संभावित वारदात को समय रहते विफल कर दिया गया। पुलिस का दावा है कि इस कार्रवाई से भविष्य में होने वाली अन्य गंभीर घटनाओं को भी रोका गया है। एसपी ने कहा कि अभी भी मामले का अनुसंधान जारी है। मुख्य आरोपी प्रकाश राम की गिरफ्तारी शेष है और उसके पकड़े जाने के बाद साजिश के अन्य पहलुओं का भी खुलासा होने की संभावना है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक मोबाइल फोन, एक कीपैड मोबाइल, हत्या में प्रयुक्त चाकू, धारदार दाब तथा खून लगे कपड़े बरामद किए हैं। मामले के सफल उद्भेदन पर थानाध्यक्ष सिसवन और उनकी टीम को पुरस्कृत करने की अनुशंसा की जा रही है।

हाथी के हमले में मृत वृद्ध के परिजनों को वन विभाग ने सौंपा 10 लाख रुपये का मुआवजा

बीएनएम@ नवादा।

नवादा जिले के कौआकोल प्रखण्ड के मंझिला पंचायत अंतर्गत बिन्दीचक गांव में जंगली हाथी के हमले में जान गंवाने वाले वृद्ध राजाराम पासवान के आश्रित को वन विभाग की ओर से सोमवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मृतक की पत्नी रुक्मिणी देवी को विभाग द्वारा सोमवार को घर जाकर 10 लाख रुपये का चेक सौंपा गया। जानकारी देते हुए वन क्षेत्र पदाधिकारी (रेंजर) सौरभ सांडिल्य ने बताया कि बीते 11 मई को बिन्दीचक गांव के फुसबंग्ला टोला निवासी राजाराम पासवान पर जंगली हाथी ने हमला कर दिया था। इस घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद वन विभाग द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए सरकार की ओर से निर्धारित मुआवजा राशि के रूप में मृतक के आश्रित पत्नी रुक्मिणी देवी को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ अखिलेश कुमार ने कहा कि सरकार वन्यजीवों से प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मौके पर पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि रंजीत रजक सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

एसएसबी के 55 से ज्यादा जवानों ने किया रक्तदान, बोले- किसी की जिंदगी बचाने से बड़ा कोई दान नहीं

बीएनएम@ बगहा।

विश्व रक्तदाता दिवस पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 65वीं और 21वीं वाहिनी ने रक्तदान शिविर आयोजित कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। दोनों वाहिनियों में अधिकारियों, जवानों और कर्मचारियों ने उत्साह के साथ रक्तदान किया। कुल 55 से अधिक यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए उपयोगी होगा।65वीं वाहिनी मुख्यालय में आयोजित शिविर का नेतृत्व कार्यवाहक कमांडेंट मनोज कुमार ने किया। वहीं 21वीं वाहिनी में कमांडेंट तपेश्वर संबित की मौजूदगी में जवानों ने रक्तदान किया। रक्तदान से पहले राजकीय मेडिकल कॉलेज, बेतिया की चिकित्सकीय टीम ने सभी प्रतिभागियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक परामर्श दिया। 65वीं वाहिनी में 30 जवानों और अधिकारियों ने रक्तदान किया, जबकि 21वीं वाहिनी में करीब 25 कर्मियों ने स्वेच्छा से रक्त देकर मानव सेवा में योगदान दिया। शिविर के दौरान जवानों में रक्तदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यवाहक कमांडेंट मनोज कुमार ने कहा कि रक्तदान जरूरतमंद लोगों के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। उन्होंने स्वस्थ लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एसएसबी सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाती रही है।कमांडेंट तपेश्वर संबित ने कहा कि रक्तदान ऐसा महादान है, जिससे किसी अनजान व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने जवानों द्वारा दिखाई गई सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं।शिविर के माध्यम से लोगों को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के समापन पर चिकित्सकों की टीम और सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद दिया गया।

> » विश्व रक्तदाता दिवस पर 65वीं और 21वीं वाहिनी में लगे शिविर, जवानों ने बढ़-चढ़कर निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

मोदी सरकार के 12 साल पूरेः विधायक राम सिंह ने घर-घर पहुंचकर बताईं उपलब्धियां

बीएनएम@ बगहा।

केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा ने बगहा नगर में जन जागरण अभियान की शुरुआत की। अभियान के तहत बगहा विधायक राम सिंह ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ नगर के विभिन्न मोहल्लों में जनसंपर्क कर लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी।विधायक राम सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।अभियान में भाजपा जिला अध्यक्ष अचिंत्य कुमार लल्ला, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनोज कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष रितु जायसवाल, अमरेश श्रीवास्तव, दीपक गुप्ता और विजय गुप्ता सहित कई पदाधिकारी शामिल रहे। सभी ने नगर के प्रबुद्ध नागरिकों से मुलाकात कर सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की।भाजपा नगर अध्यक्ष राजन गुप्ता ने बताया कि जन जागरण अभियान आगामी दिनों में भी जारी रहेगा। कार्यकर्ता विभिन्न वार्डों में जाकर लोगों से संवाद करेंगे और केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी देंगे।कार्यक्रम में रौशन तिवारी, शैलेश कुमार दुबे, दीपु जायसवाल समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

> » बगहा में भाजपा का जनसंपर्क अभियान शुरू, कई दिनों तक चलेगा जागरूकता कार्यक्रम

निवेशकों के घटते भरोसे

पिछले वित्त वर्ष में सिर्फ एक महीना युद्ध से प्रभावित था। बाकी समय जो हुआ, उससे साफ है कि समस्या की जड़ें निवेश के नए ट्रेंड और भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेशकों के घटते भरोसे से है। डॉलर बचाने के लिए सरकारी हलकों में क्यों इतनी बेचैनी फैली है, इसका राज़ भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया है। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक 2025-26 में भारत का भुगतान संतुलन 30.8 बिलियन डॉलर घाटे में रहा। सरल भाषा में इसका अर्थ है कि गुजरे वित्त वर्ष में भारत में जितना डॉलर आया, उससे 30.8 बिलियन अधिक डॉलर बाहर गया। ऐसा पूंजीगत खाते पर बढ़े दबाव के कारण हुआ। 2023-24 में विदेशी निवेश, विदेशी ऋण, संपत्ति हस्तांतरण आदि के जरिए 89.4 बिलियन डॉलर भारत आए थे। इस कारण चालू खाते के लगभग 27 बिलियन डॉलर के घाटे के बावजूद भुगतान संतुलन 63.7 बिलियन डॉलर लाभ में रहा। 2024-25 में पूंजीगत खाते में सिर्फ 16.6 बिलियन डॉलर का लाभ रहा। इस कारण भुगतान संतुलन तकरीबन 13 बिलियन डॉलर माइनस में चला गया। 2025-26 में पूंजीगत खाते में लाभ सिर्फ सात करोड़ 20 लाख डॉलर का रहा। उधर चालू खाते में घाटा बढ़ा। नतीजतन, भुगतान संतुलन का घाटा बढ़ गया। इससे साफ है कि पिछले दो वित्त वर्षों में भारत में डॉलर आने की दर तेजी से गिरी है। अतः इस समय जो संकट आया है, उसका कारण सिर्फ ईरान युद्ध नहीं है। पिछले वित्त वर्ष में सिर्फ एक महीना (मार्च) युद्ध से प्रभावित था। बाकी महीनों में जो हुआ, उससे पुष्टि होती है कि ना सिर्फ विदेशी निवेश का आना कम हो गया है, बल्कि विदेशी निवेशक बड़ी मात्रा में भारत से अपना धन निकाल ले गए हैं। 2025-26 में उन्होंने जितना निवेश भारत में किया, उससे 4.3 बिलियन अधिक डॉलर वे यहां से बाहर ले गए। उधर भारतवासियों में विदेश में अपने धन के निवेश बढ़ा ट्रेंड है। सोने के आयात में तेज बढ़ोतरी और युद्ध शुरू होने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल/ गैस तथा अन्य आयातित वस्तुओं की कीमत में उछाल से समस्या और गहरा गई है। अतः युद्ध खत्म होने से कुछ राहत मिलेगी, लेकिन बुनियादी दिक्कतें दूर नहीं होंगी। उनकी जड़ें निवेश के नए ट्रेंड और भारतीय अर्थव्यवस्था में घटते भरोसे से है। फिलहाल, ऐसा नहीं लगता कि सरकार के पास इसके समाधान की अंतर्दृष्टि है।

नए भारत के दिल की धड़कनों में बसते हैं बिरसा

श्रीमती रंजना चोपड़ा

भारत जब अपने स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों को याद करता है तब छोटानागपुर के जंगलों से एक नाम अपनी दृढ़ नैतिक ताकत के साथ उभरता है। यह नाम भगवान बिरसा मुंडा का है जिन्हें 'धरती आबाó यानी भूमि के रक्षक के रूप में पूजा जाता है। वह एक ऐतिहासिक हस्ती से आगे बढ़ कर गरिमा, प्रतिरोध और जनजातीय आत्मसम्मान के जीवंत प्रतीक भी हैं। उनकी सोच थी कि जनजातीय पहचान की रक्षा की जाए, समानता सार्थक हो और विकास आम जन तक न्याय के साथ पहुंचे। उनका यह सिद्धांत अब भी विकसित भारत की ओर देश की यात्रा को निर्देशित करता है। राष्ट्र ने पिछले 12 वर्षों में समावेशी विकास पर नए सिरे से बल दिया है। बिरसा मुंडा के सिद्धांत आज भी नए भारत की नीतियों, शासन और आकांक्षाओं को आकार दे रहे हैं।

विरासत को मिला उसका सही स्थान

भगवान बिरसा मुंडा की विरासत देश भर में जनजातीय समुदायों के गीतों, आख्यानों, सामूहिक यादों में लंबे समय से जिंदा है। माननीय प्रधानमंत्री ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्म दिवस 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर उनकी विरासत को राष्ट्रीय मान्यता दी। इस मान्यता को और गहराई देते हुए बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय गौरव वर्ष मनाया गया। इस दौरान जनजातीय गौरव और विरासत के जश्न में समूचे राष्ट्र में 2 लाख से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनकी पहुंच 3 करोड़ से अधिक नागरिकों तक रही। देश भर में, इन आयोजनों ने जनजातीय जीवन की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित किया। नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव और केरल के जनजातीय साहित्यिक महोत्सव से लेकर, झारखंड के राष्ट्रीय जनजातीय फिल्म महोत्सव और तेलंगाना की कैनो स्प्रिंट चैम्पियनशिप (डोंगी चालन प्रतियोगिता) तक, इन कार्यक्रमों ने जनजातीय संस्कृति, रचनात्मकता, खेल और लोककथाओं को राष्ट्रीय पटल पर खड़ा किया। कुल मिलाकर, इनमें अलग-अलग संस्कृतियों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले 11 लाख से अधिक जनजातीय नागरिकों की भागीदारी देखी गई। ये आयोजन इस बात की घोषणा थे कि आधुनिक भारत को आकार देने में जनजातीय विरासत एक जीवंत और सक्रिय शक्ति है।

जनजातीय सशक्तिकरण और समावेशन की दिशा में पिछले बारह वर्षों के निरंतर और केंद्रित राष्ट्रीय प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 इस गति को चार विषयगत सप्ताहों के माध्यम से आगे ले जा रहा है, जो मिलकर जनजातीय विकास के संपूर्ण आयाम को दर्शाते हैं। विशेष रूप से इसका तीसरा सप्ताह भारत के भविष्य से जुड़े एक बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न पर केंद्रित है: हम उन व्यक्तियों और समुदायों को कैसे पहचानें जिन्होंने इस राष्ट्र को आकार दिया और हम आने वाली पीढ़ी को उस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए कैसे सशक्त बनाएं?

इतिहास में विस्मृत नामों की पुनर्स्थापना

इस प्रश्न का उत्तर तलाशने की शुरुआत उन अनेक जनजातीय नायकों को पहचान देने से होती है, जिनका योगदान बहुत लंबे समय तक मुख्यधारा के ऐतिहासिक आख्यानों से गायब रहा। देश के जनजातीय क्षेत्रों में, शिक्षकों, कलाकारों, पारंपरिक चिकित्सकों और समाज सुधारकों की पीढ़ियों ने इन समुदायों को संजो कर रखा है और उनकी सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखा है। उनकी कहानियाँ भारत की राष्ट्रीय स्मृति में एक सही और न्यायसंगत स्थान की हकदार हैं और उनके इन योगदानों को दस्तावेजों में दर्ज करने तथा उन्हें याद रखने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। देश भर के जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) मौखिक इतिहास का दस्तावेजीकरण करने, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को रिकॉर्ड करने और जनजातीय भाषाओं व सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के प्रयास में एक केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं। वर्तमान में, 26 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 29 जनजातीय अनुसंधान संस्थान इस कार्य में जुटे हुए हैं, जिसके तहत 222 जनजातीय भाषाओं में 355 का प्रारंभिक दस्तावेजीकरण किया जा चुका है। ये प्रयास भावी पीढ़ियों के लिए अमूल्य सांस्कृतिक ज्ञान को संजोकर रखने में मदद कर रहे हैं। राष्ट्रीय विमर्श में जनजातीय आवाज़ों को फिर से स्थापित करने का प्रयास जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों के माध्यम से भी आकार ले रहा है, जिनकी परिकल्पना स्मृति और पहचान के स्थलों के रूप में की गई है। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समुदायों की भूमिका को सम्मानित करने के लिए 10 राज्यों में ऐसे 11 संग्रहालयों को मंज़ूरी दी है। इनमें से चार संग्रहालयों का उद्घाटन पहले ही किया जा चुका है, जिनमें रांची में भगवान बिरसा मुंडा और नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह को समर्पित संग्रहालय शामिल हैं। इन संस्थानों के जरिए जनजातीय वीरों की गाथाओं के दस्तावेजीकरण और उन पर आधारित कार्यक्रमों के आयोजन से इन्हें भारत की सामूहिक ऐतिहासिक याद में स्थाई रूप से पिरोया जा रहा है।

मशाल थामने वालों को सशक्तिकरण: अतीत को सम्मानित करने के साथ ही, यह यात्रा स्वाभाविक रूप से वर्तमान पीढ़ी को सशक्त बनाने की ओर बढ़ती है। यह बदलाव उन जनजातीय छात्रों की बढ़ती संख्या में सबसे स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जिन्हें मंत्रालय के छात्रवृत्ति कार्यक्रमों का लाभ मिल रहा है। अकेले चालू वर्ष में ही, पांच छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत 26,01,979 जनजातीय छात्रों को सहायता प्रदान की गई है, जिसके लिए कुल 3825.54 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। इनमें से कई छात्र अपने परिवारों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं, जो न केवल अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं को, बल्कि पूरे समुदाय की आशाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। विशेष बात यह है कि वर्तमान छात्रवृत्ति लाभार्थियों में से 56त्न से अधिक महिलाएं हैं।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) का विस्तार भी शिक्षा तक पहुँच और अवसरों के प्रति इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्वीकृत ईएमआरएस संस्थानों की संख्या वर्ष 2013-14 के 167 से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 723 हो गई है, जो 330त्न से अधिक की वृद्धि है - जबकि इसी अवधि के दौरान पहले से चल रहे स्कूलों की संख्या 123 से बढ़कर 499 हो गई है। छात्रों के नामांकन में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो 0.34 लाख से बढ़कर 1.56 लाख छात्र हो गई है। जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा प्रदान करके, ईएमआरएस संस्थान मजबूत शैक्षिक नींव तैयार करने और देश भर के जनजातीय बच्चों के लिए अवसरों का विस्तार करने में मदद कर रहे हैं।

ये आंकड़े केवल योजनाओं के विस्तार को ही नहीं दर्शाते; बल्कि ये एक बड़े संरचनात्मक बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। छात्रवृत्तियाँ और फेलोशिप वास्तव में आत्मविश्वास, प्रतिनिधित्व और नेतृत्व में किया जाने वाला निवेश हैं। हमारी प्रतिबद्धता अडिग है: किसी भी आदिवासी छात्र को भौगोलिक स्थिति, पृष्ठभूमि या शिक्षण संस्थानों तक सीमित पहुँच के कारण अवसरों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

महिला सशक्तिकरण की सबसे सच्ची अभिव्यक्ति : शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे इस बदलाव के साथ-साथ, जनजातीय महिलाओं के नेतृत्व में भी जमीनी स्तर पर एक महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है। पीढ़ियों से, जनजातीय महिलाएं अपनी संस्कृति, प्राकृतिक संसाधनों और सामुदायिक जीवन की मूक संरक्षक रही हैं – वे परिवारों और परंपराओं को सहेजती आई हैं। भारत में लगभग 5.20 करोड़ जनजातीय महिलाएं हैं, जो कुल जनजातीय आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। समावेशी विकास में उनका नेतृत्व अब मुख्य भूमिका निभा रहा है। वर्तमान में, 4,712 वन धन विकास केंद्र स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 3,365 कार्यरत हैं। इनसे 12.9 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो रहे हैं और इन लाभार्थियों में आधे से अधिक संख्या महिलाओं की है। ये प्रयास एक ओर जहाँ जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय महिलाओं के लिए व्यापक आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

आगे बढ़ती हुई विरासत : समारोह, स्मरण, शिक्षा और महिला नेतृत्व मिलकर एक बड़ी और निरंतर आगे बढ़ने वाली कहानी का हिस्सा बनते हैं—एक ऐसी कहानी, जिसमें जनजातीय समुदाय आत्मविश्वास और सम्मान के साथ भारत के भविष्य को नया आकार दे रहे हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान जैसी पहलों के माध्यम से, समन्वय और सहयोग के नए प्रतिमान के ज़रिए जमीनी स्तर पर क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है। जनजातीय विद्वानों का उभरना, गुमनाम नायकों की पहचान और जनजातीय महिलाओं का बढ़ता नेतृत्व, यह सब मिलकर इस बात को दर्शाता है कि भगवान बिरसा मुंडा की विरासत आज के आधुनिक भारत में भी जीवंत है।

आज, भारत के 10.5 करोड़ से भी ज़्यादा आदिवासी नागरिक, देश की कहानी का एक सबसे प्रभावशाली और प्रगतिशील अध्याय हैं। वे राष्ट्रीय प्रगति के हाशिए पर नहीं हैं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प में सबसे मजबूत योगदान देने वालों में से हैं — जहाँ विद्वान नए कीर्तिमान रच रहे हैं, (लेखिका जनजातीय कार्य मंत्रालय में सचिव हैं।)

आस्था की पटरियों पर भारत दर्शन कराएगी भारत गौरव ट्रेन

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

- तीर्थाटन की नई धारा : भारत गौरव ट्रेन से आस्था, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का विराट संगम

भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से प्रवाहित होती आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर दक्षिण के समुद्री तटों तक, पूर्व के जगन्नाथ धाम से लेकर पश्चिम की द्वारका नगरी तक फैली this भूमि में आस्था केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक व्यापक दर्शन है। यही कारण है कि भारत में तीर्थाटन को सदैव आत्मिक शांति, सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रीय एकता का महत्वपूर्ण माध्यम माना गया है।

आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में जब मनुष्य अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, तब तीर्थ यात्राएं उसे स्वयं से मिलने का अवसर प्रदान करती हैं। तीर्थाटन केवल मंदिरों के दर्शन तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह मन, विचार और आत्मा की यात्रा भी होता है। ऐसी ही आध्यात्मिक अनुभूति को साकार करने का प्रयास भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से किया जा रहा है।

आईआरसीटीसी द्वारा संचालित "देव दर्शन यात्रा : 3 धाम एवं 11 ज्योतिर्लिंग" भारत की आध्यात्मिक विरासत को एक सूत्र में पिरोने वाली विशेष यात्रा है। यह यात्रा 3 सितम्बर 2026 को दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होगी और 17 रात तथा 18 दिनों तक चलेगी। लगभग दस हजार किलोमीटर लंबी इस यात्रा में श्रद्धालुओं को देश के तीन प्रमुख धामों तथा ग्यारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का दुर्लभ अवसर प्राप्त होगा।

इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि श्रद्धालु एक ही सफर में भारत की विशाल धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का अनुभव कर सकेंगे। यात्रा के दौरान पूर्व में भगवान जगन्नाथ की नगरी पुरी, दक्षिण में रामेश्वरम धाम और पश्चिम में भगवान श्रीकृष्ण की नगरी द्वारका के दर्शन कराए जाएंगे। इसके साथ ही काशी विश्वनाथ, बैद्यनाथ, मल्लिकार्जुन, भीमाशंकर, त्र्यंबकेश्वर, नागेश्वर, सोमनाथ, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर तथा घृष्णेश्वर जैसे प्रमुख ज्योतिर्लिंगों की यात्रा भी इस कार्यक्रम का हिस्सा होगी। भारतीय धार्मिक परंपरा में ज्योतिर्लिंगों का विशेष महत्व है। इन्हें भगवान शिव के दिव्य स्वरूप का प्रतीक माना जाता है। काशी की आध्यात्मिकता, उज्जैन के महाकाल का वैभव, सोमनाथ का ऐतिहासिक गौरव और ओंकारेश्वर की प्राकृतिक पवित्रता श्रद्धालुओं को केवल दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक अनुभूति भी प्रदान करती है। वहीं पुरी, रामेश्वरम और द्वारका धाम भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं। तीर्थाटन का महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है। जब कोई यात्री उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक यात्रा करता है तो वह भारत की विविधता में निहित एकता को निकट से अनुभव करता है। विभिन्न भाषाएं, लोक संस्कृतियाँ, वेशभूषाएँ, भोजन परंपराएँ और जीवन मूल्य उसे यह समझने का अवसर देते हैं कि भारत अनेकताओं के बावजूद एक सांस्कृतिक परिवार है। इस दृष्टि से तीर्थ यात्राएं राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता की भी सशक्त वाहक हैं।

भारत सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक पर्यटन को विशेष प्रोत्साहन दिया गया है। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, अयोध्या धाम और केदारनाथ जैसे तीर्थस्थलों पर विकसित आधुनिक सुविधाओं ने धार्मिक पर्यटन को नई पहचान दी है। भारत गौरव ट्रेन इसी व्यापक सोच का विस्तार है, जहां आस्था और आधुनिकता का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। यात्रा के दौरान यात्रियों को सुविधाजनक और व्यवस्थित अनुभव प्रदान करने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। आधुनिक वातानुकूलित डिब्बे, शुद्ध शाकाहारी भोजन, होटल आवास, स्थानीय भ्रमण के लिए विशेष वाहन, सुरक्षा व्यवस्था, यात्रा बीमा तथा प्रशिक्षित टूर प्रबंधकों की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे श्रद्धालुओं को व्यवस्थाओं की चिंता किए बिना पूरी श्रद्धा और एकाग्रता के साथ यात्रा करने का अवसर मिलेगा। धार्मिक पर्यटन का एक महत्वपूर्ण आर्थिक पक्ष भी है। तीर्थस्थलों पर पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालु स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करते हैं। होटल, परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार और छोटे व्यापारियों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलता है। परिणामस्वरूप रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और क्षेत्रीय विकास को मजबूती मिलती है। इस प्रकार धार्मिक पर्यटन आध्यात्मिकता के साथ-साथ आर्थिक विकास का भी माध्यम बनता है। हालाँकि तीर्थाटन के बढ़ते विस्तार के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता जैसी चुनौतियां भी सामने आती हैं। तीर्थस्थलों की पवित्रता और प्राकृतिक सौंदर्य को बनाए रखना श्रद्धालुओं तथा प्रशासन दोनों की साझा जिम्मेदारी है। धार्मिक पर्यटन तभी सार्थक होगा जब वह प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील भी रहे।

भारत गौरव ट्रेन की यह यात्रा केवल एक रेल यात्रा नहीं, बल्कि भारत की आत्मा से साक्षात्कार का अवसर है। इसमें शामिल होने वाला यात्री केवल तीर्थों के दर्शन करके नहीं लौटता, बल्कि वह अपने साथ आध्यात्मिक ऊर्जा, सांस्कृतिक अनुभव और राष्ट्रीय एकता की गहरी अनुभूति भी लेकर लौटता है। काशी के घाटों से लेकर रामेश्वरम के समुद्री तट तक और पुरी की भक्ति परंपरा से लेकर द्वारका की सांस्कृतिक विरासत तक फैली यह यात्रा भारत की उस अखंड आध्यात्मिक धारा का परिचय कराती है जिसने सदियों से देश को एक सूत्र में बांधे रखा है।

वास्तव में भारत गौरव ट्रेन आधुनिक भारत में तीर्थाटन के बदलते स्वरूप का प्रतीक है। यह केवल पर्यटन कार्यक्रम नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और राष्ट्र चेतना का ऐसा संगम है जो श्रद्धालुओं को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए भारत की विराट आध्यात्मिक विरासत का अनुभव कराता है। तीन धाम और ग्यारह ज्योतिर्लिंगों की यह यात्रा उन लोगों के लिए एक अनमोल अवसर है जो भारत को केवल देखना नहीं, बल्कि उसकी आत्मा को महसूस करना चाहते हैं।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

पश्चिम बंगाल- तुम डार-डार हम पात-पात

सनत जैन

1950 में भारत का संविधान लागू हुआ था। संविधान के अनुसार संवैधानिक संस्थाओं का निर्माण हुआ। उनकी जिम्मेदारी तय की गई, उनके लिए कानून बनाए गए। भारत के संविधान में विधायिका कार्यपालिका और न्यायपालिका के रूप में संविधान की शक्तियों में तीनों को अधिकार दिए गए। भारत का संविधान और लोकतंत्र, सनातन की आस्था और विश्वास जिसमें ब्रह्मा-विष्णु और महेश तीन महाशक्तियों को ब्रह्मांड को संचालित करने का आधार माना गया है। ठीक उसी तरह से भारत में उक्त तीनों स्तम्भ को ताकतवर बनाते हुए, चौथा स्तंभ मीडिया और जनता को बनाया गया। भारत के संविधान में जनता का राज कायम किया गया। जनता ही चुनाव के माध्यम से अपने अधिकार निर्वाचित प्रतिनिधि को सौंपती है। जनता से चुने विधायक और सांसद के बहुमत के आधार पर मिले अधिकार से विधानसभा और संसद में कानून बनाए जाते हैं। सांसदों और विधायकों को जनता के प्रति जिम्मेदार बनाया गया। संसद और विधानसभा में जनता का पक्ष रखने के लिए पूर्ण स्वतंत्रता दी गई। यह सारी व्यवस्था समय के साथ 1990 तक देखने को मिली। उसके बाद से गठबंधन की सरकारें बनने लगीं, सरकार बनाने के लिए जोड़-तोड़ होने लगा। विचारधारा एवं राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र का कोई महत्व नहीं रहा। उसके बाद से संवैधानिक व्यवस्था में लोकतंत्र कमजोर होना शुरू हुआ। अब इतना कमजोर हो गया है, कि इसे लोकतंत्र के स्थान पर ठोकतंत्र कहना शायद ज्यादा उपयुक्त होगा। हाल ही में पश्चिम बंगाल के चुनाव हुए हैं। एसआईआर में 90 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। 27 लाख मतदाताओं ने ट्रिब्यूनल में अपील की। फैसला हुए बिना पश्चिम बंगाल का चुनाव हो गया। 2 लाख से ज्यादा अर्धसैनिक बल पश्चिम बंगाल के चुनाव में तैनात किए गए। मतदान और मतगणना को लेकर टीएमसी ने गड़बड़ियों की शिकायत चुनाव आयोग, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में की। किंतु समय रहते कोई फैसला नहीं हुआ। फार्म 17सी में ईवीएम मशीन के जो नंबर दर्ज थे, उनके स्थान पर अन्य ईवीएम मशीन से मतगणना की गई। आपत्ति करने पर मतगणना रोक दी गई, उसके बाद चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए। अब 4000 ईवीएम की मशीनें जल गई हैं। 45 दिन तक चुनाव आयोग को सारे सबूत

सुरक्षित रखने होते हैं। अब सबूत जलने शुरू हो गए हैं। इसी बीच टीएमसी के सांसदों और विधायकों को सड़क पर पीटा गया। पश्चिम बंगाल में दहशत का वातावरण बना हुआ है। इसी बीच चर्चा है, 20 से अधिक सांसद टीएमसी छोड़कर एक अलग गुट बनाकर ऐसी पार्टी में जा रहे हैं, जिसका ना तो एक विधायक है, ना उसके सांसद हैं। त्रिपुरा में उसने कुछ चुनाव जरूर लड़े हैं। एक फ़ीसदी वोट भी उसे हासिल नहीं हुए हैं। ऐसी गुमनाम पार्टी में राष्ट्रीय पार्टी के सांसद और विधायक विलय करने जा रहे हैं। विधानसभा और लोकसभा के अध्यक्ष इन्हें अनुमति प्रदान कर रहे हैं। आगे चलकर चुनाव आयोग से भी इन्हें मान्यता मिल जाएगी। ईडी, सीबीआई, सीआईडी और स्थानीय पुलिस बल के निशाने पर टीएमसी के सांसद और विधायक हैं। इन्हें घर में घुसकर पीटा जा रहा है। इन्हें सुरक्षा नहीं दी जा रही है। इनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। पिछले एक सप्ताह में प. बंगाल की राजनीतिक घटनाओं, दल-बदल कानून, लोकसभा, राज्यसभा एवं विधानसभा की घटनाएं जिस तरह से चर्चाओं में है। टीएमसी और सरकार के बीच तुम डार-डार और हम पात-पात का खेल चल रहा है। वह सभी को आश्चर्यचकित कर रहा है। ऐसी स्थिति में अब आम जनता भी यह मानकर चलने लगी है। उसके अधिकार भी खत्म होने जा रहे हैं। अब सरकार तय करती है, मतदाता कौन होगा, चुनाव में कौन जीतेगा। वह किस पार्टी में रहेगा, यह एक ऐसा नया तंत्र विकसित हुआ है। जिसने लोकतंत्र की स्थापित परम्परा के स्थान पर अब ठोकतंत्र का राज कायम करने की नई परम्परा देखने को मिल रही है। जनता के बीच अब यह धारणा बनने लगी है। पिछले एक- डेढ़ वर्षो में चुनाव आयोग की जो भूमिका देखने को मिली है। न्यायपालिका की भी जो भूमिका देखने को मिल रही है। उसके कारण जनता के मन में यह विश्वास मजबूत हो रहा है, चुनाव के नाम पर भाजपा और चुनाव आयोग जो चाहते है, वही परिणाम आते हैं। परिणाम आने के बाद भी अब इस बात की कोई गारंटी नहीं रह गई है। दल-बदल कानून होते हुए भी राजनीतिक दल अपने आप को सुरक्षित रख पाएं। रही-सही कसर लोकसभा, राज्यसभा और राज्यों की विधानसभा में देखने को मिल रही है। सत्र बहुत कम बुलाए जाते हैं। आसंदी बोलने के पहले सेंसरशिप लगा देती है। बिना चर्चा के ध्वनिमत से विधेयक पास हो जाते हैं और कानून बन जाते हैं। विपक्ष की सुनवाई कहीं पर भी नहीं हो रही है। सुनवाई के नाम पर तारीख पर तारीख और राजनीतिक साजिश में संवैधानिक संस्थाएं शामिल होकर सरकार के पक्ष में काम कर रही हैं। इससे लोकतंत्र और संविधान के प्रति लोगों का मोह भंग हो रहा है। महंगाई, बेरोजगारी, कर्ज एवं अन्य समस्याएं लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। देश भर में जगह-जगह आंदोलन हो रहे हैं। संवैधानिक संस्थाओं, राजनीतिक दलों, आम जनता के बीच जिस तरह से अविश्वास बढ़ता जा रहा है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में यह लोकतंत्र और भारतीय संविधान के लिए कोई अच्छे संकेत नहीं हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने लिखा है, समरथ को नहीं दोष गुसाईं।

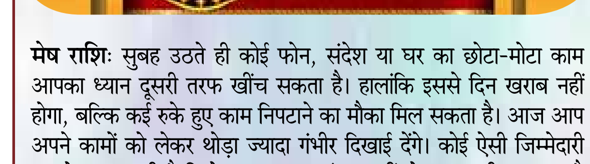

मेष राशि: सुबह उठते ही कोई फोन, संदेश या घर का छोटा-मोटा काम आपका ध्यान दूसरी तरफ खींच सकता है। हालांकि इससे दिन खराब नहीं होगा, बल्कि कई रुके हुए काम निपटाने का मौका मिल सकता है। आज आप अपने कामों को लेकर थोड़ा ज्यादा गंभीर दिखाई देंगे। कोई ऐसी जिम्मेदारी सामने आ सकती है जिसे टालना अब संभव नहीं होगा। अच्छी बात यह है कि आप उसे संभाल भी लेंगे। शुभ अंक: 9

वृषभ राशि: आज का दिन कुछ अलग तरह का रह सकता है। सुबह उठते ही ऐसा लगेगा कि बहुत सारे काम एक साथ ध्यान मांग रहे हैं, लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा, चीजें अपने आप व्यवस्थित होती चली जाएंगी। किसी बात को लेकर जो उलझन पिछले कुछ दिनों से मन में चल रही थी, उसका जवाब अचानक मिल सकता है। कामकाज के बीच आज आपका ध्यान बार-बार किसी निजी बात की तरफ जा सकता है। शुभ अंक: 6

मिथुन राशि: आज का दिन कुछ अलग ढंग से शुरू हो सकता है। सुबह कोई फोन कॉल, मैसेज या घर की छोटी-सी जिम्मेदारी आपका ध्यान अपनी ओर खींच सकती है। ऐसे में जो काम आपने पहले से सोच रखे थे, उनमें थोड़ा फेरबदल करना पड़ सकता है। हालांकि दिन आगे बढ़ने के साथ चीजें धीरे-धीरे आपके नियंत्रण में आती नजर आएंगी। कामकाज के मामले में आज आप काफी व्यस्त रह सकते हैं। शुभ अंक: 9

कर्क राशि: आज का दिन आपको थोड़ा भावुक बना सकता है। सुबह किसी पुरानी याद, पुराने फोटो या किसी पुराने परिचित की बात अचानक मन में आ सकती है। हालांकि यह भावना ज्यादा देर नहीं टिकेगी और दिन धीरे-धीरे सामान्य होता जाएगा। कामकाज के बीच आज आप दूसरों की बातों को सामान्य से ज्यादा गंभीरता से ले सकते हैं। हर बात को दिल पर लेने की जरूरत नहीं है। शुभ अंक: 2

सिंह राशि: सोमवार को आप सुबह से ही किसी न किसी काम में व्यस्त रह सकते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि आपने दिन को आराम से बिताने का सोचा हो, लेकिन परिस्थितियां आपको सक्रिय बनाए रखें। अच्छी बात यह है कि आज आप चीजों को संभालने के मूड में रहेंगे और छोटी परेशानियां आपको ज्यादा परेशान नहीं करेंगी। किसी व्यक्ति से हुई बातचीत आपका नजरिया बदल सकती है। शुभ अंक: 1

कन्या राशि: आज का दिन बिना किसी बड़े उतार-चढ़ाव के गुजर सकता है। सुबह की शुरुआत सामान्य रहेगी, लेकिन दिन के बीच में कोई ऐसी बात सामने आ सकती है जिस पर आपको थोड़ा अतिरिक्त ध्यान देना पड़े। आप आमतौर पर हर चीज को व्यवस्थित रखना पसंद करते हैं और आज भी यही स्वभाव आपके काम आएगा। काम या पढ़ाई से जुड़ा कोई छोटा-सा काम, जिसे आप टालते आ रहे थे, आज पूरा हो सकता है। शुभ अंक: 5

तुला राशि: सुबह किसी छोटी-सी बात से दिन की शुरुआत होगी, लेकिन वही बात आगे चलकर आपको किसी पुराने अनुभव की याद दिला सकती है। आज आपका मन बार-बार बीती हुई कुछ बातों और आने वाले दिनों की योजनाओं के बीच घूमता रह सकता है। कामकाज की बात करें तो दिन सामान्य रहेगा। शुभ अंक: 6

वृश्चिक राशि: आज सुबह किसी छोटी-सी बात पर आपका ध्यान अटक सकता है। बाकी लोगों को वह बात मामूली लगे, लेकिन आप उसे अपने तरीके से समझने की कोशिश करेंगे। हालांकि दोपहर तक आते-आते स्थिति साफ हो जाएगी और मन भी हल्का महसूस करेगा। कामकाज के दौरान किसी ऐसे व्यक्ति से बात हो सकती है जिससे काफी समय से संपर्क नहीं हुआ था। शुभ अंक: 9

धनु राशि: आज आपका मन एक जगह टिकने के बजाय कई चीजों में रुचि ले सकता है। कोई नई जानकारी, खबर या चर्चा आपका ध्यान खींच सकती है। अगर आप नौकरी या कारोबार से जुड़े हैं तो किसी व्यक्ति से हुई मुलाकात आगे चलकर काम की साबित हो सकती है। हालांकि हर बात का फैसला आज ही करना जरूरी नहीं है। शुभ अंक: 3

मकर राशि: आज आप सुबह से ही अपने काम अपने तरीके से करना चाहेंगे। बार-बार टोका-टोकी या दूसरों की दखलअंदाजी पसंद नहीं आएगी। हालांकि दिन बढ़ने के साथ आपको महसूस होगा कि हर बात अकेले संभालना भी जरूरी नहीं है। शुभ अंक: 8

कुंभ राशि: आज सुबह किसी छोटी-सी बात से आपका मूड अच्छा हो सकता है। हो सकता है किसी का फोन आ जाए, कोई पुराना संदेश दिख जाए या फिर ऐसा काम पूरा हो जाए जिसे आप कई दिनों से टाल रहे थे। दिन की शुरुआत हल्की और सहज रहने के संकेत हैं। शुभ अंक: 8

मीन राशि: सुबह बाकी दिनों जैसी ही शुरू होगी, लेकिन दिन आगे बढ़ने के साथ कुछ ऐसे पल आ सकते हैं जो आपका ध्यान खींच लें। हो सकता है किसी पुराने दोस्त का अचानक संदेश आ जाए या फिर किसी ऐसी बात का जिक्र हो जाए जिसके बारे में आपने काफी समय से सोचा नहीं था। आज आप लोगों की बातों को ध्यान से सुनेंगे। शुभ अंक: 7

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रोहित शर्मा के रिटायर होने के बाद ही यशस्वी को एकदिवसीय में नियमित जगह मिल पायेगी : सहवाग

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि रोहित शर्मा के रिटायर होने के बाद यशस्वी जायसवाल को स्थायी तौर पर एकदिवसीय में पारी में शुरुआत करने का अवसर मिल सकेगा। सहवाग के अनुसार जब तक रोहित खेलेंगे यशस्वी को पारी की शुरुआत का अवसर नहीं मिलेगा। उन्हें किसी अन्य स्थान पर भी तभी खेलने का अवसर मिलेगा जब कोई अन्य खिलाड़ी फिटनेस या किसी अन्य कारण से बाहर होगा। टेस्ट क्रिकेट में बेहतरीन बल्लेबाजी के बाद भी यशस्वी अब तक एकदवसीय टीम में जगह हासिल नहीं कर पाये हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए उन्हें तभी जगह मिली जब विराट कोहली फिट नहीं पाये गये।

सहवाग का मानना है कि यशस्वी के पास सभी प्रारुपों में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता है पर इसके बाद भी सीमित ओवरों के प्रारुप में वह अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। उन्हें अवसर का इंतजार करना पड़ रहा है क्योंकि पारी की शुरुआत के लिए जगह नहीं है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने पारी की शुरुआत में अपनी जगह पक्की कर ली है। ऐसे में यशस्वी को तभी मौका मिलता है, जब इनमें से कोई सीनियर खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होता। यशस्वी ने अब तक मिले अवसरों में साबित किया है कि वह सीमित ओवरों में भी प्रभावी हैं।

सहवाग ने कहा, "अभी जगह नहीं है। शुभमन कप्तान हैं। रोहित खेल रहे हैं पर जैसे ही रोहित रिटायर होंगे, वैसे ही यशस्वी को सफेद गेंद प्रारुप में जगह मिल जाएगी। इसमें रुतुराज गायकवाड़ उनके प्रतिद्वंदी हो सकते हैं पर अगर आप तीन बल्लेबाज पारी की शुरुआत के लिए रखते हैं तो यशस्वी को जरुर अवसर मिलेगा।" सहवाग के अनुसार वह

टीम में तभी आ गये थे जब गिल या शर्मा उपलब्ध नहीं थे। ऐसा नहीं था कि उन्हें अवसर मिला और उन्होंने प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने जब मौका मिला, बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। उन्हें प्रदर्शन के कारण बाहर नहीं किया पर बल्कि इसलिए क्योंकि वह किसी और की जगह पर शामिल किये गये थे। सहवाग के अनुसार ईशान किशन भी एकदिवसीय टीम में जगह के प्रबल दावेदार हैं।

सहवाग ने आगे कहा, "ईशान किशन भी वनडे क्रिकेट का हिस्सा नहीं हैं. उन्होंने वनडे में सबसे तेज डबल सेंचुरी बनाई है. वह भी एक खिलाड़ी हैं जो दावेदार हैं. मैं जायसवाल को वनडे और टी20 में यानी तीनों फॉर्मेट में देखना चाहूंगा. वह ऐसा खिलाड़ी है जो तीनों फॉर्मेट में खेल सकता है।"

इंग्लैंड दौरे के लिए इसी सप्ताह हो सकती है भारतीय एकदिवसीय टीम की घोषणा

- विराट, हार्दिक और रोहित को फिट होने पर अवसर मिलना तय

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति इसी सप्ताह इंग्लैंड दौरे के लिए एकदिवसीय टीम की घोषणा कर सकती है। भारतीय टीम को अगले माह जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज सीरीज खेलनी है। इस दौर को लेकर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और रोहित शर्मा पर सबकी नजरें रहेंगी। अगर ये फिट रहे तो इन्हें जगह मिलना पक्का है। कोहली

और पांड्या दोनों ही चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ जारी रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हैं, इनकी फिटनेस रिपोर्ट पर चयनसमिति संभीरता से नजर रखेगी। विराट को मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या है, जबकि हार्दिक पांड्या की चोट पुरानी है। हार्दिक, जो पहले चोट से उबरकर अफगानिस्तान सीरीज के लिए वापसी के करीब थे पर बदकिस्मती से आखिरी प्रशिक्षण सत्रों के दौरान पैर में दोबारा चोटिल होने के कारण बाहर हो गये। इस कारण वह एक बार फिर खेल से दूर हो गए हैं। वह अभी बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिकवरी के दौर से गुजर रहे हैं। वहीं चयनकर्ता और टीम प्रबंधन की प्राथमिकता है कि ये दोनों खिलाड़ी जल्द से जल्द फिट होकर अपनी फॉर्म फिर हासिल करें, जिससे 2027 विश्व कप के लिए एक आदर्श टीम संयोजन तैयार किया जा सके। अफगानिस्तान सीरीज में कोहली की अनुपस्थिति में ईशान किशन नंबर तीन पर बल्लेबाजी कर रहे हैं, जबकि हार्दिक की जगह युवा नीतीश कुमार रेड्डी को मौका दिया जा रहा है। चयनकर्ता चाहेंगे कि हार्दिक को पूर्ण रूप से फॉर्म में लौटने और वनडे क्रिकेट से तालमेल बिठाने के लिए पर्याप्त अवसर मिलें।

चहल का टेस्ट खेलने का सपना अब शायद ही पूरा हो : रिपोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

स्पिन युजवेंद्र चहल सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी जादुई स्पिन से विरोधियों को नचाते रहे है पर लगता है उनका भारतीय टीम से टेस्ट खेलने का सपना शायद ही पूरा हो। चहल ने कई बार देश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने की इच्छा जतायी है। एक रिपोर्ट के अनुसार घरेलू क्रिकेट में भी चहल ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर इसके बाद भी उन्हें अवसर नहीं मिला है। इसे उनके करियर की एक बड़ी विडंबना ही कहा जाएगा कि अच्छे प्रदर्शन के बाद भी वह जगह हासिल नहीं

कर पाये। टी20 में अपनी स्पिन से बड़े-बड़े बल्लेबाजों को फंसाने वाले इस लेग स्पिनर को यह अवसर न मिल पाना कई प्रशंसकों के लिए भी हैरानी की बात भी रही है। यहां तक कि चहल के लिए भारतीय सीमित ओवरों की टीम में जगह भी मिलना अब कठिन हो गया है। पिछले काफी समय से वह सीमित ओवरों की टीम में भी जगह नहीं बना पाये हैं। ऐसा नहीं है कि चहल ने कोशिश नहीं की है, लेकिन प्रतिस्पर्धा इतनी कड़ी है कि छोटी सी भी गलती या फॉर्म में गिरावट से खिलाड़ी बाहर हो जाता है। चयनकर्ता अब भविष्य की ओर देख रहे हैं और युवा प्रतिभाओं को ज्यादा से ज्यादा अवसर देना चाहते हैं। ऐसे में चहल जैसे अनुभवी गेंदबाज की टीम इंडिया में वापसी तभी हो सकती है जब वह असाधारण प्रदर्शन करें। जिससे चयनकर्ताओं के लिए उनकी उपेक्षा संभव नहीं रहे।

इस बार विंबलडन में मिलेगी सबसे अधिक इनामी राशि

एजेंसी, लंदन। इस माह के अंत में शुरु हो रहे विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को पहले से अधिक इनामी राशि मिलेगी। पिछले कुछ समय से खिलाड़ियों ने राजस्व में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया था जिसके बाद ही विंबलडन ने अपनी कुल इनामी राशि में 20 फीसदी वृद्धि की घोषणा की। इस प्रतिष्ठित ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट के एकल चैंपियन को अब पिछली बार की जगह पर रिकॉर्ड 36 लाख पाउंड (लगभग 48 लाख डॉलर) मिलेंगे, जो कि प्रतियोगिता के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी विजेता राशि है। ऑल इंग्लैंड क्लब की अध्यक्ष, डेबोरा जेवन्स ने कहा है कि खिलाड़ियों की मांग के बाद दैनिक भत्ते सहित कुल इनामी राशि छह करोड़ 42 लाख पाउंड (लगभग आठ करोड़ 58 लाख डॉलर) तक पहुंच जाएगी। यह महत्वपूर्ण बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब टेनिस खिलाड़ी लंबे समय से चार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंटों से होने वाली भारी कमाई में अपनी अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे थे। हाल के महीनों में, इस मुद्दे पर खिलाड़ियों ने सामूहिक कार्रवाई की दिशा में ठोस कदम उठाने शुरू किये थे।

रोहित और कोहली के विकल्प पर बात होना स्वाभाविक : स्वान

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर ग्रीम स्वान ने कहा है कि भारतीय टीम के दिग्गज क्रिकेटर रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने करियर के अंतिम चरण में हैं, इसलिए इनकी जगह किन क्रिकेटरों को जगह मिलेगी। इसपर बात होना स्वाभाविक है। स्वान ने कहा कि जब भी कोई खिलाड़ी अपने करियर के दूसरे हिस्से में पहुंचता है तो यह स्वाभाविक है कि लोग उसके उत्तराधिकारी की तलाश करने लगते हैं, चाहे उसने कितना भी अच्छा प्रदर्शन क्यों न किया हो। उन्होंने कहा, आप भले ही अपने खेल के

शीर्ष पर हों, फिर भी लोग सोचने लगते हैं कि रोहित या विराट के बाद कौन आएगा। यह बहुत सामान्य बात है। जैसे ही प्रदर्शन कमजोर होता है उत्तराधिकारी पर चर्चा तेज हो जाती है। साथ ही कहा कि यह स्थिति तब पैदा होती है जब प्रशंसक और विशेषज्ञ भविष्य की ओर देखने लगते हैं। स्वान के अनुसार, युवा प्रतिभाओं का उभरना इस दबाव को और अधिक बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि लगातार नई प्रतिभाओं के सामने आने से भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर स्वाभाविक रूप से अतिरिक्त दबाव बनता है। यह दबाव अनुभवी खिलाड़ियों को अपनी जगह बनाए रखने के लिए लगातार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे टीम में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनता है। हालांकि, स्वान ने रोहित की वर्तमान फॉर्म की सराहना की। उन्होंने कहा कि रोहित के लिए आने वाले छह सप्ताह महत्वपूर्ण होंगे, खासकर आगामी इंग्लैंड श्रृंखला को देखते हुए।

बिजनेस

मार्च के बाद सबसे निचले स्तर पर आया कच्चा तेल

- डब्ल्यूटीआई क्रूड 79.76 डॉलर के स्तर तक फिसला

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए बनी सहमति के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत मार्च के बाद के अभी तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। पश्चिम एशिया में तनाव खत्म होने की संभावना की वजह से कच्चे तेल की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले डेढ़ महीने के दौरान 37 डॉलर प्रति बैरल तक गिर चुकी है। इस गिरावट के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में 120 डॉलर प्रति बैरल तक की छलांग लगाने वाला ब्रेंट क्रूड आज 82.70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

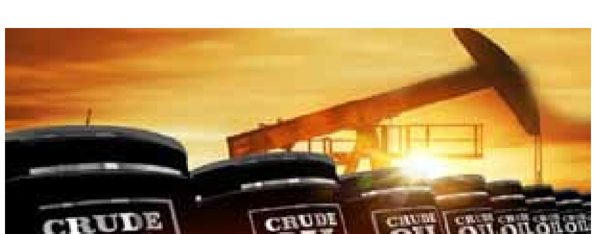

ने ऐलान किया है कि होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते ऑयल टैंकर्स और मालवाहक जहाजों की आवा-जाही फिर से शुरू करने और ईरान के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक शुरुआती समझौते पर काफी हद तक सहमति बन गई है। जल्दी ही दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए समझौता हो सकता है। ट्रंप की इस घोषणा के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की तरह ही वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की कीमत मार्च के बाद पहली बार गिर कर 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे गिर गई। आज के कारोबार की बात करें तो ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स की कीमत 4.20 डॉलर प्रति बैरल यानी पांच प्रतिशत की गिरावट के साथ 83.07 डॉलर के स्तर पर आ गई। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड फ्यूचर्स 4.7 डॉलर प्रति बैरल यानी 5.6 प्रतिशत लुढ़क कर 80.12 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। फिजिकल मार्केट में ब्रेंट क्रूड आज 3.52 डॉलर प्रति बैरल टूट कर 83.81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ब्रेंट क्रूड फिसल कर मार्च महीने के बाद के सबसे निचले स्तर 82.70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 2:30 बजे ब्रेंट क्रूड 4.35 डॉलर प्रति बैरल यानी 4.98 प्रतिशत टूट कर 82.98 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने आज 3.95 डॉलर प्रति बैरल लुढ़क कर 80.93 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही यह फिसल कर 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे फिसल कर 79.76 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.59 डॉलर प्रति बैरल यानी 5.41 प्रतिशत टूट कर 80.29 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

मई में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में 27.3 फीसदी का इजाफा : सियाम

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री में इजाफा हुआ है। मई में यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 27.3 फीसदी बढ़कर 4,38,854 इकाई हो गई। मई 2025 में थोक बिक्री 3,44,656 इकाई रही थी। उद्योग संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने सोमवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी। सियाम की ओर से जारी एक बयान के अनुसार दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री भी मई महीने में 14.8 फीसदी बढ़कर 19,02,209 इकाई हो गई, जो मई 2025 में 16,57,116 इकाई थी। उद्योग संगठन सियाम के मुताबिक तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री मई में 31.1 फीसदी बढ़कर 70,720 इकाई हो गई, जबकि एक वर्ष पहले इसी महीने में यह 53,942 इकाई रही थी। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने जारी बयान में कहा, "यात्री वाहनों, तिपहिया और दोपहिया वाहनों ने मई 2026 में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की, जिसमें हर सेगमेंट में दोहरे अंकों की मजबूत वृद्धि हुई है।"

अद्वित ज्वेल्स का आईपीओ 23 जून को खुलेगा, प्राइस बैंड 130-138 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी, मुंबई

जयपुर स्थित अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार, 23 जून को खुलेगा। इसमें निवेश के लिए निवेशक 25 जून तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 130-138 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

कंपनी ने सोमवार को एक बयान में बताया कि उसका आईपीओ मंगलवार, 23 जून को खुलकर 25 जून को बंद होगा। इसमें निवेश के लिए एंकर निवेशक 22 जून को बोली लगा सकेंगे। अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 130-138 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इश्यू बंद होने के बाद इसके शेयर का अलॉटमेंट 29 जून को फाइनल हो सकता है। इसके शेयर बीएसई और एनएसई पर 1 जुलाई को सूचीबद्ध होंगे।

अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड के 10 रुपये फेस वैल्यू वाले इस इश्यू के लिए निवेशक कम से कम 100 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा

सकते हैं और उसके बाद 100 के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। यह आईपीओ पूरी तरह से 1.19 करोड़ इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू है, जबकि इसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव घटक नहीं है।

कंपनी इस नए इश्यू से प्राप्त 65 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग अपनी बढ़ती कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए करेगी, 65 करोड़ रुपये का उपयोग ऋण चुकाने के लिए किया जाएगा। वहीं, शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड कंपनी भारत के रत्न और आभूषण हब, जयपुर (राजस्थान) में स्थित है। इस कंपनी का ब्रांड का नाम 'रंभजो' है। यह कंपनी पारंपरिक और आधुनिक हाथ से बनी बेहतरीन आभूषण बनाती और बेचती है, जिसमें कुंदन, पोल्की, डायमंड और जड़े हुए पीस मुख्य रूप से शामिल हैं।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने की पुष्टि के बाद दुनिया के ज्यादातर शेयर बाजार की तरह ही घरेलू शेयर बाजार में भी आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कुछ गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लिवाली के सपोर्ट से दोनों सूचकांकों ने दोबारा रफ्तार पकड़ ली। पहले एक घंटे का कारोबार होने

के बाद सेंसेक्स 1.44 प्रतिशत और निफ्टी 1.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टूब्रो, इंटरग्लोब एवियशन और टाइटन कंपनी के शेयर 7.75 प्रतिशत से लेकर 3.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, नेस्ले, ओएनजीसी, टेक महिंद्रा, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 3.29 प्रतिशत से लेकर 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,999 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,518 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 481 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।

थोक महंगाई दर मई में बढ़ कर 9.68 फीसदी पर पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली । पश्चिम एशिया संकट के देश में थोक महंगाई दर मई माह में बढ़कर 9.68 फीसदी पर पहुंच गई। वहीं पिछले महीने अप्रैल में यह 8.26 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को थोक मूल्य सूचकांक (डूब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर के आंकड़े जारी किए। मंत्रालय ने कहा कि ईंधन एवं बिजली, विनिर्मित उत्पादों और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। मंत्रालय ने आधार वर्ष को 2011-12 से संशोधित कर 2022-23 करने के बाद डूब्ल्यूपीआई पर आधारित महंगाई के जारी आंकड़ों में कहा कि ईंधन और बिजली श्रेणी में थोक महंगाई दर मई में बढ़कर 30.33 फीसदी हो गई, जो अप्रैल में 24.89 फीसदी थी। इस दौरान कच्चे पेट्रोलियम की महंगाई दर 61.51 फीसदी रही, जबकि अप्रैल में यह 56.31 फीसदी थी। आंकड़ों के मुताबिक थोक महंगाई दर में यह तेज वृद्धि पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावी अवरोध के कारण हुई, जहां से भारत अपने अधिकतर कच्चे तेल का आयात करता है। इसका असर खाद्य कीमतों पर भी पड़ा है। खाद्य वस्तुओं की महंगाई मई में 3.60 फीसदी रही, जो अप्रैल में 2.43 फीसदी रही थी।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना

आज 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,51,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है।

फिल्म

भारत भाग्य विधाता की ठंडी रही ओपनिंग, कंगना की इमरजेंसी–तेजस को भी नहीं दे पाई मात

अ फिल्ममेकर मनोज तापड़िया की फिल्म भारत भाग्य विधाता में कंगना रनौत लीड रोल में नजर आ रही हैं. ये फिल्म इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई और इसे बॉक्स ऑफिस पर कई दूसरी नई फिल्मों से कड़ी टक्कर मिली है. दरअसल 12 जून को ही दिलजीत दोसांझ की मैं वापस आऊंगा और मनोज बाजपेयी की गवर्नर भी रिलीज़ हुई है. वहीं भारत भाग्य विधाता को क्रिटिक्स और दर्शकों से अच्छे रिव्यू मिले हैं बावजूद इसके ये फिल्म ओपनिंग डे पर दर्शकों को खींचने में संघर्ष करती दिखी. इसी के साथ बॉक्स ऑफिस पर इसकी धीमी शुरुआत हुई है. वहीं, अब सबकी नज़रें इस बात पर हैं कि क्या पॉजिटिव वर्ड ऑफ़ माउथ इसे वीकेंड पर रफ्तार पकड़ने में मदद कर पाएगा या नहीं. इन सबके बीच चलिए यहां जान लेते हैं कि भारत भाग्य विधाता ने पहले दिन कितना कलेक्शन किया है? कंगना रनौत की पिछले कई सालों से कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाई है. भारत भाग्य विधाता भी पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर ठंडी ही दिखी. फिल्म की कमाई की बात करें तो ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के मुताबिक, भारत भाग्य विधाता ने भारत में 2181 शो से 1 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई की है. दिन भर फिल्म की ऑक्यूपेंसी 11त्न रही है. ये आंकड़े कम हैं। वीकेंड आने वाला है, ऐसे में देखना होगा कि क्या फिल्म की कमाई में तेज़ी आती है या नहीं. कंगना की पिछली रिलीज फिल्मों से तुलना करें तो भारत भाग्य विधाता ने ओपनिंग डे पर सबसे कम कलेक्शन किया है. उनकी पिछले साल आई इमरजेंसी (2025) ने पहले दिन 2.50 करोड़ कमाए थे. वहीं उससे पहले आई फिल्म तेजस (2023) ने ओपनिंग डे पर 1.25 करोड़ कमाए थे. भारत भाग्य विधाता की ओपनिंग शशि किरण टिक्का की 26/11 पर बनी फिल्म मेजर (2022) से भी काफी पीछे रही, जिसमें अदिवि शेष ने काम किया था और जिसने 7 करोड़ से ओपनिंग की थी. वहीं मशहूर एक्टर मनोज बाजपेयी की नई फ़िल्म गवर्नरः द साइलेंट सेवियर ने रिलीज़ होते ही लोगों का ध्यान खींचा है. यह फ़िल्म 1990 के दशक की शुरुआत में भारत में आए आर्थिक संकट बेस्ड है. इसमें दिखाया गया है कि कैसे उस समय सेंट्रल बैंक के प्रमुख (गवर्नर) ने देश को दिवालिया होने से बचाने के लिए बड़े फ़ैसले लिए थे. इसे दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से ही मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है. वहीं फिल्म को ओपनिंग डे कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 90 लाख रुपये की कमाई की है.

शो लॉक अप : सच या सजा के नए सीजन का पहला वीडियो जारी

ने नेटफ्लिक्स ने रियलिटी शो लॉक अपः सच या सजा के नए सीजन का पहला वीडियो जारी कर दिया है। इस दमदार वीडियो में फिल्म निर्माता और मशहूर कोरियोग्राफर फराह खान और लोकप्रिय अभिनेता रितेश देशमुख को एक रहस्यमय जेल के अंदर दिखाया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर जारी किए गए इस विशेष वीडियो में, फराह खान और रितेश देशमुख को कैदियों की वेशभूषा में, जेल की कोठरियों में कैद दिखाया गया है। क्लिप में फराह खान को कैदी संख्या 06 के रूप में संबोधित किया गया है, जबकि रितेश देशमुख को कैदी संख्या 27 के रूप में दर्शाया गया है। जेल का पूरा माहौल रहस्य, तनाव और अनिश्चितता से भरा हुआ प्रतीत होता है, जो दर्शकों को शो के आगामी सफर के लिए तैयार करता है। वीडियो में आगे जब फराह और रितेश जेल की दीवारों के पार आमने-सामने आते हैं, तो पहले दोनों एक-दूसरे को एक टक देखते हैं, जैसे कोई गहरा राज छिपा हो। इसके बाद वे दोनों एक चालाकी भरी और रहस्यमय मुस्कान के साथ सस्पेंस छोड़ जाते हैं, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो पाता कि उनकी भूमिका क्या होगी। वीडियो के ठीक आखिर में टू बी कंटिन्यू (जारी रहेगा) लिखा आता है, जो दर्शकों की जिज्ञासा को और भी बढ़ा देता है। इस आकर्षक वीडियो को साझा करते हुए, नेटफ्लिक्स ने अपने कैप्शन में लिखा, दो खास मेहमान एक लॉक अप. लॉक अप-सच या सजा 27 जून से शनिवार से बुधवार तक रात आठ बजे प्रसारित होगा। इस संक्षिप्त घोषणा ने दर्शकों को शो की प्रीमियर तारीख और प्रसारण के दिनों की जानकारी तो दी है, लेकिन इसमें फराह खान और रितेश देशमुख की भूमिका पर कोई स्पष्टता नहीं है। फिलहाल, शो के नियम, अन्य कंटेस्टेंट्स और इसके समग्र फॉर्मेट को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर लोग अलग-अलग तरह के अनुमान लगा रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि फराह खान और रितेश देशमुख शो में मुख्य कंटेस्टेंट के रूप में दिख सकते हैं और जेल के अंदर की चुनौतियों का सामना करेंगे, जबकि कुछ दर्शकों का तर्क है कि वे दोनों केवल शो के प्रमोशन वीडियो का हिस्सा हैं या शायद विशेष मेहमान के रूप में किसी खास मोड़ पर एंट्री लेंगे। इस नए सीजन से लोगों की उम्मीदें काफी ज्यादा हैं। इसकी सबसे बड़ी और मुख्य वजह साल 2022 में आया इसका पहला सीजन है, जिसने दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। जेल की थीम पर आधारित इस अनोखे रियलिटी शो ने उस समय खूब सुर्खियां बटोरी थीं, क्योंकि यह अपनी बोल्डनेस और अनूठे कॉन्सेप्ट के लिए जाना गया था। पहले सीजन की मेजबानी बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने की थी, जिन्होंने अपने बेबाक अंदाज से शो को और भी रोचक बना दिया था।

टीवी के बाद टाइपकास्टिंग से बाहर निकलने और खुद को एक कलाकार के रूप में नए तरीके से साबित करने पर बोलीं हेली शाह

टे टेलीविजन से दूसरे माध्यमों की ओर कदम बढ़ाने वाले कलाकारों के लिए पहले से बनी धारणाओं को तोडऩा अक्सर सबसे बड़ी चुनौती होती है। हाल ही में हेली शाह ने टीवी के बाद टाइपकास्टिंग का सामना करने और किस तरह वह अब लोकप्रियता से ज्यादा सार्थक काम पर ध्यान दे रही हैं, इस बारे में खुलकर बात की। टेलीविजन के जरिए मजबूत फैन फॉलोइंग बनाने वाली हेली मानती हैं कि नए फॉर्मेट्स में काम करने के बाद भी टीवी एक्ट्रेस का टैग कई कलाकारों का पीछा नहीं छोड़ता, लेकिन एक सच यह भी है कि सही मौके और लगातार अच्छे प्रदर्शन से, धीरे-धीरे आप लोगों की सोच बदल सकते हैं। अपने सफर के बारे में बात करते हुए हेली कहती हैं, मैं कई सालों तक टेलीविजन का हिस्सा रही हूं और इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी। यह मेरा कम्फर्ट ज़ोन रहा है। लेकिन मैं नए अवसरों को भी तलाशना चाहती हूं, क्योंकि अक्सर मुझे सिर्फ एक टीवी एक्ट्रेस के रूप में देखा गया है। गुल्लक जैसी शानदार कास्ट के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। मैं हमेशा से टीवीएफ के साथ काम करना चाहती थी और गुल्लक के जरिए मेरा ओटीटी डेब्यू होना इसे और भी खास बनाता है। सबसे अच्छी बात यह है कि शो की सादगी और वास्तविकता आज भी बरकरार है, और दर्शक हर सीजन से उसी तरह जुड़ाव महसूस करते हैं। उन्होंने आगे कहा, फिलहाल मेरा फोकस सिर्फ अच्छा काम करने पर है। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां बिना किसी वजह के सिर्फ दिखने के लिए मैं इवेंट्स में जाऊं। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे मेरे काम की वजह से जानें और पसंद करें। गौरतलब है कि गुल्लक हेली शाह के करियर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो रहा है। वह इसे अपने रचनात्मक दायरे को बढ़ाने और एक कलाकार के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने की दिशा में अहम कदम मानती हैं। दर्शकों का लगातार मिल रहा प्यार इस बात का संकेत है कि इंडस्ट्री में अब कलाकारों की पहचान सिर्फ टैग्स से नहीं, बल्कि उनके काम और प्रतिभा से तय होने लगी है।

राम चरण की पेद्दी बॉक्स ऑफिस पर कर रही राज

200 करोड़ से इंचभर रह गई दूर

रा राम चरण की पेद्दी ब्लॉकबस्टर ओपनिंग वीकेंड के बाद कलेक्शन में लगातार गिरावट के बावजूद बॉक्स ऑफ़िस पर छाई हुई है स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा वाली यह फ़िल्म बड़ी उम्मीदों के साथ सिनेमाघरों में आई थी और इसने अपने पहले हफ्ते में शानदार कमाई की. हालांकि वीकडेज़ की वजह से इसकी कमाई में उतार-चढ़ाव बना रहा. वहीं धीमी रफ्तार होने के बावजूद, पेद्दी इस साल की सबसे बड़ी सफल फ़िल्मों में से एक बनी हुई है और एक और बड़े माइलस्टोन के करीब पहुंच रही है. चलिए यहां जानते हैं पेद्दी ने रिलीज के 9वें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को कितना कलेक्शन किया है?

पेद्दी को बॉक्स ऑफिस पर बवाल काटते हुए 9 दिन हो चुके हैं. हालांकि इस दौरान इसकी कमाई भी ऊपर-नीचे होती रही है लेकिन फिर भी ये टिकट खिड़की पर जमी हुई है. वहीं पहले हफ्ते में इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 193.55 करोड़ कमा लिए थे. अब अब ये दूसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है और रिलीज के 9वें दिन यानी दूसरे फ्राइडे को इसे कई नई फिल्मों से मुकाबला करना पड़ रहा है. लेकिन राम चरण की पेद्दी के आगे कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता से लेकर मनोज बाजपेयी की गवर्नर तक फुस्स साबित हुई हैं. फिलहाल पेद्दी तमाम नई और कुछ हफ्ते पुरानी फिल्मों पर बढ़त बनाए हुए. हालांकि इसके कलेक्शन में भी मंदी जारी है.

वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक पेद्दी ने रिलीज के 9वें दिन यानी दूसरे फ्राइडे को 5.15 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ पेद्दी की भारत में 9 दिनों की कुल नेट कमाई अब 198.70 करोड़ रुपये हो गई है. पेद्दी बॉक्स ऑफिस पर कब्जा किए हुए है. हालांकि इसकी कमाई हर दिन घट रही है फिर भी इसने रिलीज के 9 दिनों में 198 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है. अब ये 200 करोड़ी बनने से 2 करोड़ रुपये और दूर है. इस मील के पत्थर को ये फिल्म दूसरे शनिवार को हर हाल में पाल कर लेगी और आरआरआर के बाद रामचरण के करियर की दूसरी 200 करोड़ के क्लब में एंट्री करने वाली फिल्म भी बन जाएगी. फिलहाल हर किसी की निगाहें बॉक्स ऑफिस पर हैं. पेद्दी को 350 करोड़ के बजट में बनी है. वहीं ये अब तक 198 करोड़ से ज्यादा कमा चुकी है. इसी के साथ इसने अपनी आधी से ज्यादा लागत यानी 56 फीसदी वसूल कर लिया है. अभी ये अपना पूरा बजट वसूलने से 150 करोड़ से भी ज्यादा दूर है. देखने वाली बात होगी कि पेद्दी अपनी पूरा लागत वसूल कर पाती है या नहीं.

वहीं वरुण धवन स्टारर फिल्म है जवानी तो इश्क होना भी रिलीज के दूसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक ठीक ठाक परफॉर्म किया है. वहीं रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे फ्राइडे को कई नई फिल्मों से मुकाबसे के चलते इसने अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया है.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपर्ट के मुताबिक है जवानी तो इश्क होना है ने रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को 1.85 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसी के साथ है जवानी तो इश्क होना है की 8 दिनों की कुल कमाई अब 38.70 करोड़ रुपये हो गई है.

सामंथा रुथ प्रभु की 'मां इंटी बंगारम का ट्रेलर हुआ रिलीज, यूजर्स बोले- एक्शन मोड में क्वीन

सा सामंथा रूथ प्रभु की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म मां इंटी बंगारम का ट्रेलर आखिरकार तौर पर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में समंथा को पहले से बिल्कुल अलग और एक्शन स्टाइल में देखा जा सकता है। ट्रेलर को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत में सामंथा एक अच्छी बहू बनने की कोशिश करती दिखाई देती हैं। परिवार की उम्मीदों को पूरा करने में उन्हें काफी मुश्किलें आती हैं। लेकिन अचानक कहानी में ट्विस्ट आता है और सामंथा अपने परिवार की रक्षा के लिए खतरनाक दुश्मनों से लड़ती नजर आती हैं। ट्रेलर में उनके एक्शन सीन्स बहुत दमदार हैं। सामंथा की फिल्म मां इंटी बंगारम पहले 15 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे टाल दिया गया है। फिल्म मां इंटी बंगारम 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर जारी किया और लिखा, अब ट्रिगर दबाने का समय आ गया है। फिल्म के निर्देशक नंदिनी रेड्डी हैं। इसे राज, सामंथा रूथ प्रभु और हिमांक ने मिलकर बनाया है। फिल्म मां इंटी बंगारम एक ऐसी महिला की कहानी है, जो पारंपरिक परिवार में नई बहू बनकर आती है। वह शांत, आज्ञाकारी और सबकी नजर में रहने वाली लगती है। लेकिन परिवार को यह पता नहीं होता कि उसके अंदर क्या राज छिपा है। जब उसका पुराना अतीत वापस लौटता है, तो उसे अपने परिवार की रक्षा करनी पड़ती है, वो भी बिना अपनी असली पहचान बताए।

Delhi Govt shields consumers from fuel price shock

New Delhi, Agency: Amid concerns over a recent revision in the Power Purchase Adjustment Cost (PPAC), Delhi Power Minister Ashish Sood on Saturday said the Delhi Government has taken steps to ensure that consumers, particularly those receiving electricity subsidies, remain protected from the impact of rising global fuel prices.

Sood clarified that the PPAC is a statutory provision under the existing electricity laws that allows power distribution companies to adjust electricity tariffs in line with fluctuations in fuel and power procurement costs. He stressed that the mechanism is not a new arrangement and is implemented across the country.

"Power Purchase Adjustment Cost (PPAC) is not

a new arrangement. The electricity laws of the country already permit power companies to adjust for the rising cost of fuel used to generate electricity. Due to the situation in West Asia and other prevailing circumstances, fuel costs have risen sharply, leading to a 31 per cent increase in power procurement costs during the past month," Sood said.

The minister said the recent increase in power procurement costs was driven by a sharp rise in global fuel prices amid the ongoing crisis in West Asia and other international developments. However, he maintained that the Delhi Government intervened to ensure that consumers were not burdened with the full impact of the cost escalation.

"Even though power procurement costs rose by 31 per cent, the Delhi Electricity Regulatory Commission (DERC) has allowed only an average increase of 2.4 per cent in the PPAC. Earlier, the PPAC had been capped at 14.5 per cent till March 31. With the latest revision, it stands at approximately 17.5-17.9 per cent. This demonstrates our commitment to protecting consumers from the full impact of rising global energy prices," he stated.

According to the minister, the latest order issued by the Delhi Electricity Regulatory Commission seeks to balance the financial sustainability of power distribution companies with consumer interests. He noted that the order also includes deferred recovery mechanisms to limit the immediate burden on consumers.

Sood reiterated that households benefiting from the Delhi Government's electricity subsidy scheme would not see any increase in their bills due to the PPAC revision.

"I want to categorically state that all consumers receiving Delhi Government electricity subsidies will face absolutely no impact on their electricity bills due to this regulatory adjustment.

Delhi: DFS advocates for sprinklers smoke detectors in new buildings

New Delhi, Agency: When houses were large, they had ventilators and fewer highly flammable materials, giving residents about 15-17 minutes to escape a fire, but with rising population and more combustible housing materials, Delhi residents now have less than 5 minutes to escape.

To overcome this, the Delhi Fire Service (DFS) had submitted a proposal named "Har Ghar Surakshit, Bharat Viksit" to the Delhi Government to mandate sprinklers and smoke detectors, like in most developed countries to overcome the recurring fire incidents in the national capital.

According to DFS Chief Fire Officer Abhilash K Malik, newer buildings have become significantly more vulnerable to rapid fire spread due to factors such as reduced ventilation, extensive use of air-conditioners and synthetic materials and lower floor-to-ceiling clearances.

Malik said the proposal advocates for making these fire alarm and safety systems mandatory with immediate effect for under-construction buildings. Additionally, older constructions should be given special initiatives to install such arrangements.

With implementation of such systems, fire-related causalities could be curbed by over 97 per cent, Malik said.

The plan, if put in action, can result in drastic reduction in blaze-related deaths in the national capital within three years.

At present, smoke detectors and automatic sprinklers are mandatory in all commercial buildings, high-rise residential buildings (exceeding 15 metres in height) and basements larger than 200 square metres. The Delhi Fire Service requires these properties to hold and periodically renew a fire safety certificate (FSC).

Currently, independent houses and low-rise residential buildings (below 15 metres in height) are exempt from requiring a fire safety no objection certificate (NOC) and mandatory detector installations.

Man held for robbing deaf-mute person in Delhi's Jahangirpuri

New Delhi, Agency: A man has been apprehended in connection with the robbery of a mobile phone from a specially-abled person in northwest Delhi's Jahangirpuri area, police said on Sunday, a day after a video of the incident went viral on social media.

According to police, the victim is a deaf and mute man whose mobile phone was allegedly snatched during the incident. Police traced an eyewitness who had intervened to help the victim during the robbery. The witness sustained a minor knife injury while trying to stop the accused and later provided a detailed statement to investigators.

The accused, identified as Firoj Alam, was nabbed by a team from Jahangir Puri police station after officers analysed CCTV footage and gathered local intelligence.

Police said the accused was fur-

ther identified by the victim and his father during the course of the investigation. The eyewitness also identified Alam as the person involved in the crime.

A background check revealed that the accused has previously been involved in cases of robbery and offences under the Arms Act, police said.

A case has been registered under sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS). Police said efforts are being made to recover the robbed mobile phone.

8 years, multiple outbreaks: Why Kerala remains India's nipah hotspot

New Delhi, Agency: The latest nipah virus infection in Kerala has once again drawn attention to a striking public health pattern: while India has reported the deadly disease from only two states in the past 25 years, Kerala has accounted for most confirmed cases and outbreaks since 2018, making it the country's principal nipah hotspot.

The latest case, involving a 43-year-old man in Kozhikode, has triggered intensive surveillance and contact tracing, with the Centre deploying a joint national response team to identify where the patient may have contracted the infection and assess the risk

of further spread.

The multi-agency team will support epidemiological investigations, risk assessment and containment efforts alongside state authorities. Health ministry officials said its immediate priority is to trace the source of exposure and determine how the patient became infected.

Historically, nipah virus has been reported only from West Bengal and Kerala. India's first outbreak was recorded in Siliguri, West Bengal, in 2001, followed by another in Nadia district in 2007. Kerala reported its first outbreak in 2018, after which repeated outbreaks and sporadic cases were detected in Kozhikode, Malappuram and Ernakulam. West Bengal also reported confirmed cases in North 24 Parganas earlier this year.

"Kerala's repeated nipah outbreaks are likely driven by a combination of a close animalhuman interface and a highly sensitive surveillance system. Fruit bats frequently interact with human settlements, orchards and fruit-growing areas, while the state's healthcare system has developed a high level of awareness because of previous outbreaks, allowing cases to be detected quickly," an official familiar with nipah surveillance said.

Fruit bats, or flying foxes, are the natural reservoir of nipah virus, a zoonotic disease that can spread to humans through contact with bat secretions or contaminated food, and also through close contact with infected individuals.

Researchers say Kerala's ecology may favour recurring nipah spillovers. Studies have documented widespread populations of Pteropus fruit bats and roosting sites close to human settlements.

Delhi Tughlaqabad building fire was deliberate act of arson, probe reveals chilling details

New Delhi, Agency: Two days after a fire tore through a five-storey residential building in southeast Delhi's Tughlakabad Extension, killing three people and injuring eight others, police said that the blaze was a deliberate act of arson and have nabbed four persons, including a 17-year-old girl.

The fire broke out around 2.24am on June 12 at a Building in street No. 1. The flames quickly spread from the ground floor to the fifth floor, engulfing the building and trapping several residents inside.

Eight people suffered burn injuries and were rushed to AIIMS Trauma Centre and

Safdarjung Hospital. Three victims - Pankaj Pandey, Sonia Kumari and Sushila Devi - later succumbed to their injuries.

Read more: Mumtaz saved 2 sisters, but futile search for cat landed her in ICU

Police had initially registered a case under provisions relating to negligent handling of fire and causing death by negligence. However, as reported earlier, during the investigation, CCTV footage showed a woman entering the premises shortly before the blaze broke out, prompting investigators to probe the possibility of foul play.

The investigation led to the apprehension of a 17-year-old girl who allegedly told cops that she had been told to set fire to a scooter belonging to Deepak, a resident of the building's fifth floor.

"The teenager said that she had been instructed by a 27-year-old woman, who provided her with petrol and a matchbox and directed her to target the vehicle over a monetary dispute involving Deepak," a senior police officer said.

Media was the first to speak to Deepak, a bike taxi driver, on the day of the fire at the Safdurjang hospital's burn ward as his wife, Mumtaz was in ICU critical, and his two sisters in law were also critical at AIIMS burn ward.

Police said the 27-year-old woman, in turn, revealed during questioning that she had acted at the behest of a 33-year-old man and his 27-year-old brother.

Investigators suspect the fire was part of a conspiracy hatched to settle a personal dispute.

Campus entry banned for DU teacher for 'clicking' photo of student, ICC probes

New Delhi, Agency: A teacher at a Delhi University college has been barred from entering the campus pending an inquiry into allegations that he secretly clicked photographs of a woman student during an examination earlier this week.

The college authorities have also confiscated his mobile phone and he has been removed from examination duty. Further action, including the possibility of a police complaint, will be considered after the internal complaints committee (ICC) completes its probe, officials said.

ICC has been asked to submit its report within seven days, by June 20. The college administration said subsequent action would be taken based on the committee's recommendations.

The principal said that after receiving a complaint from the student, the administration examined

CCTV footage from the venue and allegedly found evidence of the teacher, who was on invigilation duty, clicking photographs. "Accordingly, his phone was checked and confiscated. Upon examining the phone, several such photographs were found," the principal told Media.

Wrong-side SUV hits traffic cop in SE Delhi; sales director arrested

New Delhi, Agency: A sales director at a private firm has been arrested in connection with an alleged hit-and-run case in which a traffic police constable was injured while attempting to stop an SUV being driven on the wrong side in southeast Delhi's Sarai Jullena. CCTV footage of the incident had gone viral, showing the officer being knocked down by the speeding vehicle.

The accused, identified as Mohammad Mubashshir Abbas, 31, holds a postgraduate degree in mass communication. He had been working in Dubai for the past two years and returned to India about 10 days before the incident. He is currently employed as a sales director with a private firm in Connaught Place.

DCP (Crime) Sanjeev Yadav said that on June 10, head constable Rahul Kumar was deployed with other personnel at the Sarai Jullena traffic intersection leading towards Jamia Nagar. Around 9.45 am, a black SUV was seen approaching at high speed from the Jamia side on the wrong side of the road.

When Kumar signalled the driver to stop, the latter allegedly accelerated, hit the constable and sped away towards Mata Mandir Marg. A case was subsequently registered and an investigation initiated.

"The team under supervision of ACP Satendra Mohan examined CCTV footage along the route taken by the vehicle. Simultaneously, ground intelligence was developed, which helped identify the accused as Mohammad Mubashshir Abbas, a resident of Jamia Nagar," Yadav said.

Police traced Abbas to Connaught Place Friday.

During interrogation, Abbas told police he was heading to his workplace and was running late. To avoid heavy congestion near Sarai Jullena, he chose to drive against traffic.

No stay on Jaipur Polo Ground eviction, Centre takes possession

New Delhi, Agency: Central govt on Saturday took physical possession of the 15.2-acre Jaipur Polo Ground in the Race Course area, after Indian Polo Association (IPA), which manages the facility, failed to get relief from court on an eviction notice by Land and Development Office (L&DO).

L&DO officials pasted a notice on the front wall of the ground, which stated, "This is the property of Land & Development Office, Govt of India. Any unauthorised occupation, encroachment, construction or illegal activities is a punishable offence under the law."

IPA has termed the eviction "wrongful, arbitrary and contrary to law", and said it would

pursue all available legal remedies to safeguard its rights and interests.

Refusing to grant interim relief to the association Friday, vacation judge Dhirendra Rana said he was not inclined to halt the implementation of the eviction order issued on May 20.

Delhi High Court disposed of a plea on June 8, directing the Patiala House court to hear the association's stay application on June 10 and asking the parties to appear before the district and sessions judge. While disposing of the matter, the vacation bench of the high court orally made critical observations regarding Centre's proposed takeover and its probable impact on the current landscape of Lutyens' Delhi.

During Friday's hearing, central govt's standing counsel, Ashish Dixit, asked the court for more time to file its response to IPA's challenge against the eviction order and its request to put the order on hold.

The request was opposed by the IPA counsel, who urged the court to stay the execution of the order until central govt filed its response.

In response, Dixit argued that the association had incorrectly submitted before Delhi High Court that its request for interim relief wasn't considered by the district court and claimed that no separate stay application was filed by IPA.

After hearing the parties, the judge noted that the district judge had not granted any stay on June 3 and that the writ petition filed by IPA before the high court was disposed of on June 8 without any interim protection. "Therefore, keeping in view the judicial discipline and propriety, I am not inclined to stay the execution of impugned order even till next date," the court said, refusing to stay the eviction order while asking Centre to file its reply on June 17.